छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 169 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 30 जून 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

अंबिकापुर-प्रतापपुर रोड में धोबीनाला के पास 'मौत का गड्ढा' बड़ा आकार ले रहा

सड़क का एक हिस्सा धंसने से गड्ढे में झांकने पर गहरी खाई नजर आ रही

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अंबिकापुर शहर को प्रतापपुर से जोड़ने वाली मुख्य सड़क से लगे धोबीघाट पुल के एक हिस्से में एक गड्ढा बड़ा आकार धीरे-धीरे बड़ा आकार लेते जा रहा है, जिससे लोग इसे 'मौत का गड्ढा' की संज्ञा देने लगे हैं। इससे कुछ पहले मुक्तिधाम भी है। इस मार्ग से रोजाना हजारों दोपहिया, चारपहिया वाहन, मालवाहक, यात्री बसें और स्कूल वाहनों का आना-जाना होता है। पुल के एक तरफ की सर्विस लेन में सड़क का एक हिस्सा धंसते जा रहा है, जो गहरा होने के साथ खतरनाक प्रतीत हो रहा है। गड्ढे में झांकने पर नीचे गहरी खाई नजर आती है।

पीले-काले रंग से पुताई की गई पुल की पटरी के बिल्कुल साथ यह गड्ढा है। एक छोटी सी चूक, और दोपहिया या पैदल चलने वाला सीधा खाई में जाकर गंभीर स्थिति में पहुंच सकते हैं। अंधेरे में यह गड्ढा दोपहिया ही नहीं चारपहिया चालकों को नियंत्रण से बाहर कर सकता है। दिन के उजाले में भी अगर किसी की नजर इस पर अचानक पड़ी तो खतरे की स्थिति बन सकती है। इस मार्ग में सड़क के बीचों-बीच डिवाइडर पर बिजली के खंभे लगे हैं, लेकिन रात में अधिकतर यह मार्ग अंधेरे में डूबा रहता है, जिससे अपराधिक वारदातों को भी बल मिलता है। कभी आधी लाइट जलती है, तो कभी एक भी नहीं। मार्ग व्यस्त होने और रोजाना हजारों राहगीरों के सफर को देखते हुये आसपास के लोग भी अंधेरे को लेकर सवाल उठाते रहते हैं। इधर सड़क में बड़ा आकार ले रहे गड्ढे ने लोगों को चिंतित कर दिया है। स्कूल वाहन, बसें और भारी ट्रक रोजाना डिवाइडर के आरपार से निकलते हैं। गड्ढे से अनजान चालक बचाव के चक्कर में नियंत्रण खो सकता है, और पीछे से आने वाले वाहन चालक भी खतरे में पड़ सकते हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है, ऐसा लगता है कि कोई बड़ा हादसा होने के बाद जिम्मेदारों की नजर इस पर जायेगी।

बारिश का पानी सड़क को कर सकता है खोखला

हाल में इस मार्ग की सुंदरता बढ़ाने के लिये धूल और धूप में रंगहीन हो चुके डिवाइडर की दीवार और पुल का एहसास कराने के लिये दोनों ओर सुरक्षा की दृष्टि से बने रेलिंग में जमी काई की साफ-सफाई करके रंगरोगन किया गया है, लेकिन किसी की इस गड्ढे पर नजर नहीं पड़ी। ऐसे हालातों को देखते हुये लोगों का कहना है कि, जिम्मेदारों को गड्ढे के चारों तरफ रिफ्लेक्टर, बैरीकेड लगाकर मार्ग से आने-जाने वालों को सावधान करने की जरूरत है, ताकि लोग किसी हादसे का शिकार न हों। साथ ही क्षतिग्रस्त हिस्से की मजबूती के लिये त्वरित सुधार कार्य की जरूरत लोग महसूस कर रहे हैं, अन्यथा बारिश की स्थिति में गड्ढे में जाने वाला पानी का तेज बहाव सड़क को अंदर से पूरी तरह से खोखला कर सकता है, और सड़क धंसने से गंभीर स्थिति बन सकती है।

स्ट्रीट लाइट बंद रहने से छाया रहता है घुप्प अंधेरा

अंबिकापुर-प्रतापपुर मार्ग में लोगों के अनवरत आवाजाही को देखते हुये स्ट्रीट लाइट चालू हालत में रहे, यह सुनिश्चित किया जाना भी जरूरी है, क्योंकि इस मार्ग में सड़क के किनारे कई विशाल पेड़ हैं, जो आंधी-तूफान, बारिश के बीच हर वर्ष धराशायी होकर बिजली पोल तक को क्षतिग्रस्त कर देते हैं। कुछ दिन पहले आंधी-पानी के बीच यूकेलिप्टस के बड़े पेड़ धराशायी हुये थे, जो आज भी मौके पर पुराने बिजली खंभे के तार के साथ सड़क मार्ग से लगे फुटपाथ तक गिरा पड़ा है, इसे हटाने की जरूरत आज पर्यंत महसूस नहीं की गई है। जिम्मेदारों का ध्यान ऐसे पेड़ों पर भी नहीं है, जो तेज हवा, आंधी के झोंके में धराशायी हो सकते हैं।

डिवाइडर में लगा लोहे का रेलिंग भी गायब हो रहा

इस मार्ग में बनाये गये डिवाइडर में लोहे का वजनी रेलिंग लगाया गया था, इसके कई हिस्से का रेलिंग गायब हो गया है। रेलिंग के लगे रहने से अगर डिवाइडर के पार से कोई बड़ी-छोटी वाहन गुजरती थी, तो उसके लाइट की चकाचौंध विपरीत दिशा से जा रहे वाहन चालकों पर कम असर डालती थी। सड़क में घुप्प अंधेरा छाये रहने की स्थिति में बड़ी वाहनों के हेड लाइट की चकाचौंध कई बार दोपहिया या अन्य छोटी वाहनों के चालकों पर भारी पड़ती है। वहीं आवारा कुत्तों के द्वारा अचानक लगाई जाने वाली दौड़ से विशेषकर दोपहिया चालकों को आये दिन सामना करना पड़ता है। कई बार बाइक सवार गिरकर जख्मी भी हो चुके हैं।

पिकअप की ठोकर से बाइक सवार 3 युवक गिरे, 2 के सिर को कुचलते निकल गई ट्रक

एनएच 43 हुई खून से लाल, एक घायल का गंभीर स्थिति में चल रहा उपचार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर/बतौली। सरगुजा जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग-43 में अंबिकापुर-बतौली के बीच बासेन में पिकअप की ठोकर से बाइक सवार 3 युवक सड़क पर गिरकर जख्मी हो गये, इस दौरान 2 युवकों के सिर को ट्रक का चालक कुचलते निकल गया, जिससे दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, एक युवक को गंभीर स्थिति में मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर रिफर कर दिया गया है। घटना के बाद खून से लथपथ सड़क देखकर लोगों के रोंगटे खड़े हो गये। दुर्घटनाकारित दोनों वाहनों के साथ चालक मौके से फरार हो गये।

जानकारी के मुताबिक, बतौली थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 43 से लगे ग्राम बासेन में रविवार की रात करीब 8.30 बजे ग्राम मानपुर निवासी नान्हू पिता शिवबोध 30 वर्ष, जयप्रकाश पिता सुखराम 35 वर्ष अकल साय पिता धनसाय बाइक क्रमांक सीजी 15 डीडब्ल्यू 1719 में सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप वाहन के चालक ने बतौली की ओर जा रहे बाइक सवार तीनों युवकों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें बाइक में पीछे बैठे नान्हू एवं जयप्रकाश सड़क में गिर गये, इनके सिर को कुचलते अंबिकापुर से सीतापुर की ओर जा रही अज्ञात ट्रक का चालक निकल गया और मौके से फरार हो गया, जिससे दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। अकल साय सड़क में दर्द में कराह रहा था, जिस पर राहगीरों और ग्रामीणों की नजर पड़ी और घटना की सूचना तत्काल डॉयल 112 को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहनों की आवाजाही को रोककर घायल को ग्रामीणों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बतौली भिजवाया, जिसे गंभीर स्थिति में मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल रिफर कर दिया गया है। घटनास्थल की स्थिति वीभत्स थी, दोनों युवकों का सिर कुचला शव देखकर लोग सिहर उठे। घटना की जानकारी मिलने पर घायल व मृतकों के स्वजन अस्पताल पहुंचे और चीख-पुकार की स्थिति बन गई।

एनएच काफी देर तक रहा जाम

सड़क हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 43 में जाम की स्थिति निर्मित हो गई। घटनास्थल में एसडीओपी राजेन्द्र मंडावी व बतौली पुलिस टीम पहुंची और युवकों के शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बतौली के मर्च्युरी में रखवाया। इसके बाद पुलिस को यातायात व्यवस्था सुगम बनाने मशक्कत करनी पड़ी। बतौली थाना पुलिस दुर्घटनाकारित वाहन के तलाश में जुट गई है। सोमवार को मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है। घटना से गांव में शोक का माहौल है।

बाइक सवार पूरी रात घायल अवस्था में सड़क के किनारे पड़े रह गया

सुबह सूचना मिलने पर स्वजन ले गए अस्पताल, चिकित्सक ने मृत घोषित किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शादी समारोह में गया युवक मोटरसायकल से अनियंत्रित होकर गिरने के बाद पूरी रात लावारिस हाल में पड़े रह गया। सुबह फोन से घटना की जानकारी मिलने पर स्वजन मौके पर पहुंचे और मिनी मालवाहक से अस्पताल ले गये, जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सकालो निवासी धीरज बरवा पिता दूजा बरवा 19 वर्ष के घर के बगल में रहने वाले परिवार के यहां से 28 जून को ग्राम सपना के लिये बारात रवाना हुई थी। धीरज अपने मोटरसायकल क्रमांक सीजी 14 एमआर 0233 से शाम को करीब 7-8 बजे अकेले ही बारात जाने के लिये निकला था। बताया जा रहा है कि सैनिक स्कूल के पीछे, मेंड्राकला के पास वह अनियंत्रित होकर गिर गया, और घायल अवस्था में पूरी रात पड़े रह गया। स्वजन युवक के घर नहीं लौटने से परेशान थे और बार-बार फोन लगा रहे थे, लेकिन जवाब नहीं कर रहा था। सोमवार को सुबह करीब 6 बजे एक व्यक्ति ने फोन करके युवक के पिता को एक्सीडेंट होने की जानकारी देते हुये घटनास्थल पर जल्दी पहुंचने के लिये कहा। मौके पर पहुंचे स्वजन मालवाहक में लेकर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल पहुंचे, यहां आपातकालीन चिकित्सा परिसर में 29 जून को सुबह 8.25 बजे चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

बाइकों की टक्कर में एक की मौत, साथी का चल रहा उपचार

बाइकों की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, अन्य घायलों का उपचार चल रहा है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर जिला के बसंतपुर महुआरीपारा का महंत जगते पिता कतवारी जगते 19 वर्ष, रविवार को घर से बिना बताये गांव के ही राजनाथ के साथ बच्छराज कुंवर धाम गया था। यहां से वापस लौटते समय बाइकों की टक्कर में दोनों घायल हो गये। इन्हें वाड्रफनगर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। इसकी जानकारी देर रात स्वजन को मोबाइल फोन पर मिली और वे अस्पताल पहुंचे। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों युवकों को रिफर करने पर स्वजन मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान महंत जगते की मौत हो गई, राजनाथ का उपचार चल रहा है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

रोजगार सहायिका फर्जी हाजिरी भरने से मना की, तो कर दी पति की पिटाई

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। तालाब गहरीकरण के काम में फर्जी हाजिरी भरने के लिये रोजगार सहायिका पर दबाव बनाने में सफल नहीं होने पर आरोपियों ने रोजगार सहायिका के पति व बीच-बचाव कर रहे युवक के साथ मारपीट की घटना को सरेराह अंजाम दिया। मामले में भटगांव थाना पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, रेनु कुशवाहा पति महेन्द्र कुशवाहा 35 वर्ष, ग्राम सलका बाजारपारा की रहने वाली है, और ग्राम सलका व अनरोखा की रोजगार सहायक (सचिव) के पद पर कार्यरत है। 28 जून को रात करीब 8-9 बजे के बीच उसके पति किसी काम से अंबिकापुर गये थे और रोजगार सहायक अपने घर में बच्चों के साथ थी, तभी गांव के रूपेन्द्र गुप्ता उर्फ रूपू पिता नारद गुप्ता एवं नीरज गुप्ता पिता संतोष गुप्ता उसके घर आए और तालाब गहरीकरण में फर्जी हाजरी भरने के लिए कहने लगे। मना किया पर गाली-गलौज करते हुये उसके पति महेन्द्र कुशवाहा के बारे में पूछताछ करते चले गये। कुछ देर बाद जब वह अपने पति के मोबाइल पर फोन की, तो वह बताया कि सतीश इलेक्ट्रॉनिक दुकान के सामने रूपेन्द्र गुप्ता और नीरज गुप्ता उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। इसकी जानकारी मिलने पर जब वह मौके पर गई तो उसके पति के साथ दोनों मारपीट कर रहे थे, जब अजय यादव बीच-बचाव करने गया तो उसके साथ भी मारपीट करते हुये जान से मारने की धमकी देने लगे। रोजगार सहायक रेनु कुशवाहा की लिखित शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 296(बी), 115(2), 351(3), 3(5) का अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

आकाशीय बिजली गिरने से 2 बच्चों सहित 3 की मौत, मृत मासूम की बहन झुलसी

हवा में पेड़ से टपक रहे आम को बिन रहे थे बच्चे, गांव में शोक का माहौल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के धौरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डुमकी के खुदीपारा में सोमवार की दोपहरी में आकाशीय बिजली गिरने से 5 वर्षीय मासूम सहित तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक कक्षा 9वीं की छात्रा और एक युवक भी शामिल हैं। मासूम बच्चे की बड़ी बहन गंभीर रूप से झुलस गई, जिसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर के लिये रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, सोमवार को जिले में बादलों की गरज, और आकाशीय गर्जना दोपहर के समय से ही सुनने को मिल रही थी। इसी बीच अचानक मौसम का तेवर बदला और गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलने लगीं। धौरपुर थाना क्षेत्र में हवा के तेज झोंकों से स्कूल मैदान में लगे आम के पेड़ से फल गिरने लगा। पेड़ से आम गिरते देखकर सागर 5 वर्ष, उसकी बड़ी बहन श्रद्धा 12 वर्ष और बलरामपुर जिले के ग्राम दुप्पी की रानी 14 वर्ष आम बिनने के लिये दौड़ लगा दिये। पास में ही रामसाय बरगाह 36 वर्ष मवेशी चरा रहा था। इसी दौरान अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली अजात शत्रु बनकर गिरी और चारों इसकी चपेट में आ गए। घटना में सागर, रानी और रामसाय की सांस मौके पर ही थम गई थी, जबकि श्रद्धा गंभीर रूप से झुलस गई थी। गांव के लोगों को जैसे ही बच्चों के आकाशीय बिजली की चपेट में आने का पता चला, मौके पर काफी लोग जमा हो गये। सभी को आनन-फानन में धौरपुर स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया, यहां चिकित्सकों ने मासूम बच्चे, छात्रा और मवेशी चरा रहे ग्रामीण को मृत घोषित कर दिया। श्रद्धा को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। घटना से गांव में शोक का माहौल है। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

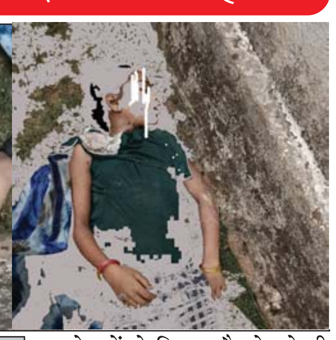

रिश्तेदार के घर घूमने आई थी छात्रा

बताया जा रहा है कि मृत कक्षा नवमीं की छात्रा रानी बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के ग्राम दुप्पी की रहने वाली थी, जो अपने रिश्तेदार के यहां घूमने के लिये आई थी। आम बिनने के बाद वे पेड़ के नीचे ही खड़े थे। इस बीच कौंधी आकाशीय बिजली ने सभी को चपेट में ले लिया और देखते ही देखते तीन लोग मौत के आगोश में समा गये।

बिरसा मुण्डा जयंती और हुल क्रांति दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम 30 से

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आदिम जाति विकास विभाग, अंबिकापुर द्वारा भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती एवं हुल क्रांति दिवस के अवसर पर 30 जून एवं 1 जुलाई को दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा होंगी। कार्यक्रम के प्रथम दिवस 30 जून को अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में भगवान बिरसा मुण्डा तथा सिद्धू-कान्हू के जीवन, संघर्ष और आदिवासी समाज के उत्थान में उनके अमूल्य योगदान पर विचार-विमर्श, व्याख्यान एवं संवाद का आयोजन किया जाएगा। द्वितीय दिवस 1 जुलाई को प्रात: 11 से 12 बजे तक सर्किट हाउस में मुख्य अतिथि डॉ. आशा लकड़ा जनजातीय समुदाय के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों के साथ उनकी समस्याओं, चुनौतियों तथा विभिन्न समसामयिक विषयों पर संवाद एवं चर्चा करेंगी। इस दो दिवसीय आयोजन का उद्देश्य भगवान बिरसा मुण्डा तथा सिद्धू-कान्हू के आदर्शों एवं बलिदान को जन-जन तक पहुंचाना, जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सार्थक संवाद स्थापित करना तथा उनकी समस्याओं के समाधान हेतु प्रभावी पहल को प्रोत्साहित करना है। आदिम जाति विकास विभाग ने जनप्रतिनिधियों, जनजातीय समाज के प्रबुद्धजनों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों से कार्यक्रम में सहभागिता का आग्रह किया है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आज

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) तथा जिला खनिज संस्थान न्यास अंतर्गत शासी परिषद की बैठक सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज की अध्यक्षता में 30 जून 2026 प्रातः 11 बजे से संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। कलेक्टर ने समिति के सदस्यों से नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया है।

जर्जर पार्किंग शेड पर गिरी पेड़ की डाली, चिकित्सक की कार क्षतिग्रस्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। केंद्रीय चिकित्सालय बिश्रामपुर में सोमवार को सिविल विभाग की कथित लापरवाही के चलते बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अस्पताल परिसर स्थित जर्जर कार पार्किंग शेड पर पेड़ की भारी डाली गिर गई। कमजोर हो चुके शेड के टूटने से डाली नीचे खड़ी डॉक्टर वीर भरत की कार पर आ गिरी, जिससे कार का बोनट व कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के समय कार के आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।अस्पताल प्रबंधन के अनुसार पार्किंग शेड की जर्जर स्थिति, परिसर में लगे घने पेड़ों की छंटाई तथा करीब तीन माह से क्षतिग्रस्त पड़ी बाउंड्री वॉल की मरम्मत को लेकर सिविल विभाग को कई बार लिखित रूप से अवगत कराया गया था। बावजूद इसके आवश्यक मरम्मत और रखरखाव का कार्य नहीं कराया गया। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि समय रहते कार्रवाई होती तो इस घटना से बचा जा सकता था। घटना के बाद अस्पताल के चिकित्सकों और कर्मचारियों में नाराजगी है। उन्होंने जर्जर पार्किंग शेड को तत्काल हटाकर नई पार्किंग व्यवस्था बनाने, परिसर के पेड़ों की आवश्यक छंटाई कराने तथा क्षतिग्रस्त बाउंड्री वॉल की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि मरीजों, चिकित्सकों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आजादी के 78 वर्ष बाद रामनगर के केवटापारा में बनी सड़क

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत रामनगर के वार्ड क्रमांक 19 स्थित केवटापारा में आजादी के 78 वर्ष बाद पहली बार सड़क निर्माण होने से मोहल्लेवासियों में खुशी का माहौल है। वर्षों से सड़क के अभाव में लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। स्थानीय निवासी भैयालाल प्रजापति ने बताया कि उनके मामा ने आजादी से पहले इस मोहल्ले में घर बनाया था। उस समय केवल तीन परिवार यहां रहते थे, जबकि वर्तमान में करीब 10 परिवार निवास कर रहे हैं। इसके बावजूद आज तक सड़क नहीं बनने से लोगों को बरसात सहित अन्य मौसमों में काफी दिक्कतें झेलनी पड़ती थीं। उन्होंने बताया कि अब ग्राम पंचायत की सरपंच संगीता रोहित प्रताप सिंह के प्रयासों से सड़क निर्माण का कार्य पूरा हुआ है, जिससे मोहल्ले के लोग विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए आवागमन सुगम हो गया है। मोहल्लेवासियों ने सड़क निर्माण पर खुशी जताते हुए सरपंच सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त कर कहा कि लंबे समय से चली आ रही उनकी मांग पूरी होने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

सहमति के बाद करंजी रेलवे साइडिंग का चक्का जाम समाप्त, कोयला परिवहन बहाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। करंजी रेलवे साइडिंग में कोयला परिवहन से जुड़े स्थानीय ट्रीप ट्रेलर यूनियन

और ट्रांसपोर्टर प्रतिनिधियों के बीच हुई वार्ता में सहमति बनने के बाद सोमवार अपराह्न करीब 3 बजे अनिश्चितकालीन चक्का जाम समाप्त कर दिया गया। इसके साथ ही कोयला परिवहन का कार्य पुनः सामान्य रूप से शुरू हो गया है।

यूनियन द्वारा डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण परिवहन लागत में हुई वृद्धि को देखते हुए भाड़ा बढ़ाने की मांग की जा रही थी। वार्ता के दौरान ट्रांसपोर्टर पक्ष ने डीजल मूल्य वृद्धि से बढ़े अतिरिक्त आर्थिक भार के अनुरूप भाड़ा संशोधित करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद आंदोलन समाप्त करने पर सहमति बनी। ट्रीप ट्रेलर ऑनर कल्याण संघ सूरजपुर के जिलाध्यक्ष रामनरेश यादव, उपाध्यक्ष समीर सिंह एवं कोषाध्यक्ष प्रेमजीत सिंह ने संतोषजनक भाड़ा निर्धारण पर खुशी जताते हुए सभी पक्षों का आभार व्यक्त किया। धरना-प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन की सतर्क रह यूनियन के आंदोलन पर नजर बनाए रखे रहे। चर्चा के दौरान ट्रक ट्रेलर मालिक संघ के मोहर लाल मानिकपुरी, केशव राजवाड़े, आदित्य चौधरी, सरफराज, चेतन देवांगन एवं धर्मेंद्र गुप्ता सहित अन्य उपस्थित रहे।

महत्वपूर्ण खुटपाली डायवर्सन परियोजना का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

★ नई पाइपलाइन तकनीक से वृहद स्तर पर मिलेगी भरपूर सिंचाई सुविधा

★ परियोजना पूर्ण होने से आने वाले दिनों में क्षेत्र वासियों को मिलेगी बिजली और पानी की सुविधा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत जिले की महत्वपूर्ण खुटपाली डायवर्सन परियोजना (खुटपाली डेम) का निरीक्षण कर परियोजना की संपूर्ण कार्यप्रणाली एवं तकनीकी व्यवस्था की जानकारी लेते हुए डेम का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से पानी के संग्रहण, पाइपलाइन निर्माण, जल परिवहन प्रणाली तथा किसानों तक पानी पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली। कार्यपालन अभियंता जल संसाधन रामानुजगंज ने बताया कि कोटपाली डायवर्सन परियोजना के लिए प्रशासकीय स्वीकृति मिल चुकी है तथा वर्तमान में टेंडर प्रक्रिया जारी है। परियोजना के अंतर्गत लगभग 1.4 मीटर व्यास की पाइपलाइन स्थापित की जाएगी। पाइपलाइन को विशेष संरचना के माध्यम से सुरक्षित तरीके से बिछाया जाएगा, जिससे पानी का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित हो सके।

पूर्व में कैनाल क्षतिग्रस्त हो जाने से सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हुई थी। अब नई तकनीक से परियोजना का निर्माण किया जाएगा, जिससे भविष्य में ऐसी समस्या की संभावना कम होगी। और आने वाले दिनों में क्षेत्र वासियों को बिजली और पानी की सुविधा मिलेगी। परियोजना पूरी होने के बाद रामानुजगंज क्षेत्र तक नहर के माध्यम सिंचाई के लिए पानी पहुंचाया जाएगा, जिससे बड़ी संख्या में किसानों को लाभ मिलेगा, सिंचाई का रकबा बढ़ेगा और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी।

इससे सिंचाई क्षमता में वृद्धि के साथ क्षेत्र के किसानों को रबी सीजन में भी बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इससे ग्राम कोटपाली, बसकेपी, खुजरी, चिरकोमा, महराजगंज सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जल संसाधन अधिकारी को परियोजना के प्रत्येक चरण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने तथा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि योजना का लाभ अधिकतम किसानों तक पहुंचे इस दौरान जल संसाधन अधिकारी रामानुजगंज ईई श्री एस के मिंज, एसडीओ सहित सरपंच अन्य जन मौजूद रहे।

समय पर सही निर्णय से सुरक्षित होगी फसल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संभावित अल-नीनो की स्थिति को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी करते हुए मौसम आधारित कृषि प्रबंधन अपनाने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि मौसम विभाग के अनुसार वर्ष 2026 में अल-नीनो के प्रभाव से मानसून के आगमन में देरी, सामान्य से कम वर्षा तथा सूखे जैसी परिस्थितियां बनने की संभावना है। ऐसे में समय पर सही निर्णय लेकर वैज्ञानिक खेती अपनाने से फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है।

कृषि विभाग ने किसानों से वर्षा शुरू होने से पहले खेतों एवं मेड़ों की साफ-सफाई कर जुताई सहित भूमि तैयारी का कार्य पूर्ण करने की सलाह दी है। साथ ही कम एवं मध्यम अवधि में पकने वाली फसल किस्मों का चयन करने को कहा गया है, ताकि अनिश्चित वर्षा का प्रभाव कम हो सके। धान की सीधी बुवाई (डीएसआर) तकनीक अपनाने की भी सलाह दी गई है। विभाग के अनुसार इससे लगभग 20 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है, उत्पादन लागत घटती है तथा फसल 12 से 15 दिन पहले तैयार हो जाती है।

एडवाइजरी में धान की खेती वाले खेतों में मेड़बंदी कर वर्षा जल का अधिकतम संरक्षण करने तथा ऊंची भूमि पर धान के स्थान पर अरहर, मूंग, उड़द, तिल, सोयाबीन एवं मूंगफली जैसी दलहनी एवं तिलहनी फसलों की खेती करने की सलाह दी गई है। किसानों को कतार पद्धति से बुवाई करने के लिए भी प्रेरित किया गया है, जिससे खरपतवार नियंत्रण, पौधों की बेहतर वृद्धि और मिट्टी में नमी संरक्षण संभव हो सके।

कृषि विभाग ने सभी फसलों के बीजों का बुवाई से पहले बीजोपचार अनिवार्य रूप से करने तथा दलहनी फसलों में राइजोबियम सहित जैव उर्वरकों के उपयोग की सलाह दी है।

यदि बुवाई के बाद 15 जुलाई तक अंकुरण नहीं होता है तो पुनः बुवाई करने तथा सामान्य बीज दर की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक बीज का उपयोग करने की अनुशंसा की गई है।

विभाग ने किसानों से जुलाई माह के अंत तक मूंग एवं उड़द की बुवाई पूर्ण करने तथा अगस्त माह में तिल, सूरजमुखी एवं मध्यम अवधि वाली अरहर की बुवाई करने को कहा है। साथ ही बुवाई के 20 से 25 दिन बाद खरपतवार नियंत्रण करने की सलाह दी गई है। सूखे की स्थिति में मिट्टी की नमी बनाए रखने और फसल को सुरक्षित रखने के लिए मल्चिंग तकनीक अपनाने पर विशेष जोर दिया गया है।

जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए कृषि विभाग ने गांव के नालों पर अस्थायी अवरोध या बांध बनाने तथा तालाबों, कुओं एवं अन्य जल संरचनाओं में वर्षा जल का अधिकतम संग्रह करने की अपील की है। उर्वरक प्रबंधन के तहत कम वर्षा की स्थिति में नत्रजन उर्वरकों का सीमित उपयोग करने, 2 प्रतिशत यूरिया घोल का पर्णीय छिड़काव करने तथा दलहनी एवं तिलहनी फसलों में बुवाई के लगभग एक माह बाद 2 प्रतिशत डीएपी घोल का छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

कृषि विभाग ने किसानों से मौसम पूर्वानुमान के आधार पर खेती की योजना बनाने, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई तकनीक अपनाने, फसल विविधीकरण के माध्यम से जोखिम कम करने को कहा है तथा किसी भी कृषि संबंधी समस्या के समाधान के लिए निकटतम कृषि कार्यालय अथवा कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क करने का आग्रह किया है।

विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे सही समय पर सही कृषि कार्य करें, पानी की बचत करें, जल संरक्षण को प्राथमिकता दें तथा जीवन रक्षक सिंचाई अपनाकर अपनी फसल को सुरक्षित रखें।

कम वर्षा की स्थिति में किसानों के लिए कृषि आकस्मिक योजना

संभावित कम वर्षा एवं अल-नीनो की स्थिति को देखते हुए कृषि विभाग द्वारा कृषि आकस्मिक योजना जारी की गई है। विभाग ने किसानों से समय पर वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाकर कम पानी में भी अधिक उत्पादन प्राप्त करने की अपील की है। साथ ही धान पर निर्भरता कम कर दलहनी एवं तिलहनी फसलों को अपनाने तथा जल संरक्षण को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है।

जारी कृषि आकस्मिक योजना के अनुसार कम वर्षा की स्थिति में किसानों को शीघ्र पकने वाली फसल एवं किस्मों का चयन करने, धान की डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति से समय पर बुवाई करने, मिट्टी में नमी संरक्षण के उपाय अपनाने तथा धान के स्थान पर दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती करने की सलाह दी गई है। साथ ही किसानों को कृषक उन्नति योजना का लाभ लेने के लिए भी प्रेरित किया गया है, जिसके तहत धान के स्थान पर दलहन, तिलहन, मक्का अथवा अन्य फसलें लेने पर 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है।

विभाग ने बताया कि यदि किसान धान की खेती करना चाहते हैं तो शीघ्र पकने वाली किस्में जैसे आईआर-64 एवं एमटीयू-1010 का चयन करें। साथ ही डीएसआर पद्धति अपनाकर संतुलित उर्वरक उपयोग एवं समय पर खरपतवार नियंत्रण करें। ऊंची भूमि वाले क्षेत्रों में धान के स्थान पर उड़द, मूंग, अरहर, रागी, मूंगफली एवं तिल जैसी फसलें लगाने की सलाह दी गई है। पशुपालन करने वाले किसानों से सूखे चारे एवं साइलेज का भंडारण, पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था तथा समय पर पशुओं का टीकाकरण कराने का आग्रह किया गया है। विभाग ने किसानों से आह्वान किया है कि वे कम पानी-सही योजना, अच्छी खेती-खुशहाल किसान के संदेश को अपनाते हुए मौसम आधारित कृषि प्रबंधन अपनाएं, जिससे कम वर्षा की स्थिति में भी बेहतर उत्पादन एवं आय सुनिश्चित की जा सके।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने किसानों से अपील की है कि वे अधिक पानी की आवश्यकता वाली हाइब्रिड धान किस्म का उपयोग कम करें तथा इसके स्थान पर समितियों में उपलब्ध संशोधित धान अथवा देशी धान की किस्मों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि इन किस्मों में अपेक्षाकृत कम पानी की आवश्यकता होती है, सूखे की स्थिति में भी अनुकूलता रहती है तथा उत्पादन बेहतर प्राप्त होता है।

सहकारिता सप्ताह के तहत किए जाएंगे विविध कार्यक्रम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सहकारिता मंत्रालय स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 29 जून से 6 जुलाई तक देशभर में सहकारी सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में उप आयुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं जिला सूरजपुर के निर्देशानुसार सोमवार को आदिम जाति सेवा सहकारी बैंक बिश्रामपुर शाखा में सहकारिता ध्वज फहराकर सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पंचायत शिवनंदनपुर के अध्यक्ष रितेश जायसवाल थे। अन्य अतिथियों में भाजपा नेता रामानंद जायसवाल उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के बाद नपं अध्यक्ष रितेश जायसवाल ने उपस्थित किसानों एवं बैंक उपभोक्ताओं को सहकारिता सप्ताह की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केंद्र सरकार के निर्देशानुसार देशभर में सहकारिता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने इस अवसर पर बैंक उपभोक्ताओं को एटीएम कार्ड भी वितरित किए तथा शाखा की गतिविधियों की जानकारी ली। शाखा प्रबंधक एवं नोडल अधिकारी दिलीप दुबे ने बताया कि सहकारी सप्ताह के दौरान नवीन सदस्यता अभियान, समिति के बायलॉज का वाचन, जिला स्तरीय बैठक, एफपीओ एवं पैक्स की भूमिका पर परिचर्चा, कृषक संगोष्ठी, मृदा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, ड्रोन प्रदर्शन, माइक्रो एटीएम के माध्यम से वित्तीय लेनदेन, नए किसान क्रेडिट कार्ड निर्माण, एटीएम कार्ड वितरण, स्वच्छता अभियान तथा पौधरोपण जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने उपस्थित किसानों एवं बैंक उपभोक्ताओं को सहकारिता सप्ताह के उद्देश्यों से अवगत कराते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर नगर पंचायत बिश्रामपुर के पार्षद रविशंकर बउआ, अमित मित्तल, पूर्व सरपंच भानु प्रताप सिंह बैंक के फील्ड ऑफिसर अतुल उपाध्याय, कैशियर कविता केरकेट्टा, बैंक ऑपरेटर राहुल केसरी सहित अन्य उपस्थित रहे।

सरस्वती साइकिल योजना से सपनों को मिली नई उड़ान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल योजना बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में सार्थक पहल साबित हो रही है। योजना के तहत शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, सूरजपुर की छात्रा वैष्णवी कसेरा को निःशुल्क साइकिल प्रदान की गई, जिससे उसके शिक्षा के सपनों को नई उड़ान मिली है।

बाजारपारा निवासी वैष्णवी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि पहले वह प्रतिदिन पैदल विद्यालय आती-जाती थी, जिससे समय के साथ-साथ पढ़ाई पर भी प्रभाव पड़ता था। अब शासन से निःशुल्क साइकिल मिलने के बाद विद्यालय पहुँचना आसान हो जाएगा और वह नियमित रूप से अध्ययन कर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि अब मेरे सपनों को नया पंख मिल गया है। पहले पैदल विद्यालय आती थी, अब साइकिल से विद्यालय जाऊंगी और मन लगाकर पढ़ाई कर अपने लक्ष्य को प्राप्त करूंगी। वैष्णवी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। सरस्वती साइकिल योजना से छात्राओं में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ा है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग और अधिक सुगम हुआ है।

सरकंडा पुलिस ने 'सशक्त' ऐप से 2 वाहन चोरों को दबोचा, 5 वाहन किये जब्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। पुलिस की डिजिटल पहल सशक्त मोबाइल ऐप ने फिर कमाल दिखाया। सरकंडा पुलिस ने ऐप की मदद से दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर चोरी की 5 बाइक बरामद की हैं। आरोपी पिछले 2 साल से इलाके में सक्रिय थे।

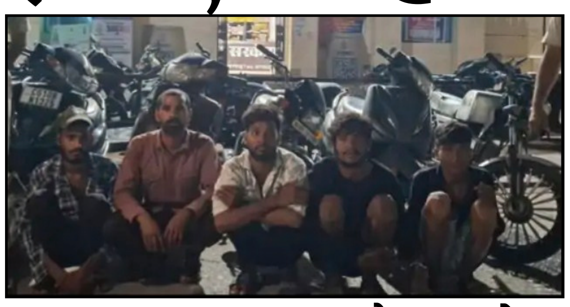

कैसे पकड़े गए आरोपी

14 जून 2026 को विवेकानंद नगर मोपका निवासी कमलेश चंद्राकर की एक्टिवा सीजी 10 बीएन 1325 चोरी हो गई। रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू हुई। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि मोपका निवासी सुजल दर्वे उर्फ रिंकू के पास चोरी की बाइक है। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार आर्य और चौकी प्रभारी ओमप्रकाश कुर्रे की टीम ने घेराबंदी कर दो संदिग्धों को पकड़ा। 'सशक्त' ऐप में स्कूटी चेक करने पर चोरी की पुष्टि हुई। कड़ाई से पूछताछ में आरोपियों ने कई चोरियां कबूलीं।

क्या है सशक्त ऐप

आईजी रामगोपाल गर्ग द्वारा विकसित इस ऐप से चोरी के वाहनों की जानकारी एक क्लिक में मिल जाती है। इससे पुलिस को त्वरित कार्रवाई में मदद मिल रही है। पहले भी कई चोरी की गाड़ियां इस ऐप से बरामद हुई हैं। आरोपियों का कबूलनामा गिरफ्तार आरोपी सुरेन्द्र भुनेश्वर (22) और सुजल दर्वे उर्फ रिंकू (24), निवासी खाल्हेपारा मोपका हैं।

पूछताछ में खुलासा

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अलग-अलग समय पर कई वाहन चोरी किए थे। जुलाई 2025 में विवेकानंद कॉलोनी मोपका से एक ब्राउन रंग की एक्टिवा (क्रमांक सीजी 10 एएफ 5290) चोरी कर उसे सावन सूर्यवंशी को 10 हजार रुपए में बेच दिया था।

इसके बाद अक्टूबर 2025 में उसी इलाके से एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (क्रमांक सीजी 10 पी 0129) चोरी की।

1 दिन लेट पर 1.5% नहीं, सिर्फ 0.04% सरचार्ज, छत्तीसगढ़ के उपभोक्ताओं को फायदा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के करीब 66 लाख बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। अब बिजली बिल देर से जमा करने पर पूरे महीने का लेट पेमेंट चार्ज नहीं लगेगा। पावर कंपनी ने साफ किया कि उपभोक्ता जितने दिन भुगतान में देरी करेगा, सिर्फ उतने ही दिनों का ब्याज देना होगा।

क्या बदला नियम

पहले की व्यवस्थाः बिल की तय तारीख के बाद 1 दिन की देरी पर भी पूरे महीने का 1.5% सरचार्ज वसूला जाता था। कम देरी पर भी पूरा बोझ पड़ता था। नई व्यवस्थाः अब 0.04% प्रतिदिन की दर से सरचार्ज लगेगा। 1 दिन की देरीः सिर्फ 0.04% अतिरिक्त चार्ज, 10 दिन की देरीः 0.4% चार्ज, 30 दिन की देरीः 1.2% चार्ज, जो पहले के 1.5% से कम है

कंपनी ने बताया फायदा

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि राज्य विद्युत नियामक आयोग का नया नियम उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए है। लेट पेमेंट का ब्याज पहले से साफ और आसान तरीके से जुड़ेगा। इससे बेवजह आर्थिक बोझ नहीं बढ़ेगा।

अफवाहों का खंडन

कंपनी ने कहा कि सोशल मीडिया पर 'दोहरा झटका' या 'रोजाना ब्याज' जैसी खबरें गलत और भ्रामक हैं। नई व्यवस्था में अधिभार दर बढ़ाई नहीं, बल्कि कम की गई है। इसे उपभोक्ताओं के लिए झटका बताना तथ्यात्मक रूप से गलत है।

उदाहरण से समझें

अगर किसी का बिल 1000 रुपए है और वह 5 दिन देर से जमा करता है तो पहले 15 रुपए सरचार्ज लगता था। अब 0.04% .5 दिन = 0.2% यानी सिर्फ 2 रुपए अतिरिक्त लगेंगे। 30 दिन देर पर भी अब 1.2% यानी 12 रुपए लगेंगे, जबकि पहले 15 रुपए लगते थे। कंपनी ने लोगों और मीडिया से सही जानकारी साझा करने की अपील की है ताकि कोई भ्रम न फैले।

अदाणी दिवस पर पीईकेबी एवं पीसीबी खदान क्षेत्रों में रक्तदान एवं वृक्षारोपण अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

उदयपुर। अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी के जन्मदिवस के अवसर पर अदाणी दिवस के तहत पीईकेबी एवं पीसीबी खदान क्षेत्रों में रक्तदान शिविर और वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खनन परियोजना के कर्मचारियों, स्थानीय समुदाय एवं सहयोगी संस्थाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रक्तदान शिविर में खनन परियोजना के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कुल 472 यूनिट रक्तदान किया। यह रक्त क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उपयोगी रहेगा। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए पीईकेबी परियोजना क्षेत्र में 11.293 हेक्टेयर क्षेत्र में कुल 28,231 पौधों का रोपण किया गया। कुल 300 लोगों ने पौधारोपण में भाग लिया। स्थानीय जलवायु के अनुरूप पौधों का चयन कर हरित आवरण बढ़ाने की दिशा में कार्य किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रतिनिधि ने कहा कि,ह्लअदाणी दिवस पर आयोजित रक्तदान एवं वृक्षारोपण अभियान समाज और पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता और वृक्षारोपण के जरिए हरित भविष्य की दिशा में यह हमारा सामूहिक प्रयास है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अदाणी समूह के कर्मचारियों, प्रबंधन, स्थानीय समुदाय, उद्यानिकी टीम, खनन विभाग एवं प्रशासनिक इकाइयों का योगदान रहा।

सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत, अनुशासन जरूरी - पुलिस अधीक्षक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। विनायकम क्रिकेट अकादमी का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह 2026 गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। समारोह खेल, अनुशासन और संस्कारों का संगम बना। वर्षभर उत्कृष्ट प्रदर्शन, नियमित अभ्यास, फिटनेस और खेल भावना दिखाने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल ने कहा - ₹सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति जरूरी है। गुरुजनों और माता-पिता को प्रेरणा बनाकर आगे बढ़ें।₹ विशिष्ट अतिथि खेल अधिकारी विकास सिंह ने मेहनत को खिलाड़ी की सबसे बड़ी ताकत बताया। अकादमी ने खेल के साथ पढ़ाई को भी प्राथमिकता दी। 10वीं सीबीएसई 2026 में प्रथम पुष्कल सिंह और 12वीं में 92% अंक लाने वाली सिमरन रेलवानी को विशेष पुरस्कार दिया गया। एम. एस. सिंहदेव अंडर-16 टूनामेंट के नैतिक चौधरी को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और ऑरेंज कैप ,अयांश द्विवेदी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और पर्पल कैप यथार्थ सोनवानी को सर्वश्रेष्ठ कैच और क्षेत्ररक्षक चुना गया। वही जूनियर वर्ग में अयांश द्विवेदी को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, फैजान अब्दुल कलाम को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और पराग तिवारीः सर्वश्रेष्ठ अनुशासित खिलाड़ी का अवॉर्ड दिया गया। सीनियर वर्ग विजेता ईशान चौधरीः ऑफ द टूनामेंट नैतिक चौधरी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रूद्रांग त्रिपाठी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज शुभम सिंह सर्वश्रेष्ठ अनुशासित खिलाड़ी बने। संस्थापक कोच विनायक शर्मा ने कहा - ₹हमारा उद्देश्य सिर्फ क्रिकेट नहीं, बच्चों में अनुशासन, फिटनेस, आत्मविश्वास और जुनून जगाना है। मैदान में सीखी मेहनत और टीम भावना जीवन भर काम आती है।₹ सरगुजा क्रिकेट संघ सचिव विनीत जायसवाल ने कहा कि यहां बच्चे श्रेष्ठ नागरिक भी बन रहे हैं। सरगुजा क्रिकेट संघ की ओर से उन्हें ट्रैकसूट और स्पाइक्स शूज देने की घोषणा हुई। डॉ. सूर्य भूषण कुशवाहा को विशेष सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। मंच संचालन अधिवक्ता पीयूष त्रिपाठी ने किया। सह-संस्थापक सुनिका शर्मा, सीईओ प्रियंका और समन्वयक अनु मैम ने प्रशस्ति पत्र दिए।

29 जून से भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव की होगी शुरूआत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। श्री जगन्नाथ महाप्रभु की पावन रथ यात्रा को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए श्री जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति एवं उत्कल समाज की संयुक्त बैठक शुक्रवार को श्रद्धा के साथ संपन्न हुई। बैठक में रथ यात्रा से जुड़े धार्मिक अनुष्ठान, सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा कर जिम्मेदारियां तय की गईं। सर्वसम्मति से तय हुआ कि इस वर्ष की रथ यात्रा को दिव्य, सुव्यवस्थित और प्राचीन परंपराओं के अनुरूप मनाया जाएगा। वैदिक रीति-रिवाजों का पूरा पालन होगा। नगरवासियों से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ लेने की अपील की गई।

प्रमुख अनुष्ठान और तारीखें

29 जून-स्नान यात्रा एवं गजानन वेषः भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा का 108 पवित्र कलशों से महाभिषेक होगा। स्नान के बाद भगवान गजानन स्वरूप में दर्शन देंगे। पूजा उड़ीसा से आए पंडित शंभूनाथ पांडा के सानिध्य में होगी। मुख्य यजमान अशोक सामल एवं मधु सामल रहेंगे।

30 जून से 14 जुलाई-अनसर कालः स्नान के बाद भगवान 15 दिन विश्राम करेंगे। इस दौरान मंदिर के पट बंद रहेंगे। प्रत्यक्ष दर्शन नहीं होंगे।

14 जुलाई-नेत्रोत्सव एवं नवयौवन दर्शनः अनसर काल के बाद भगवान के नवीन तेजस्वी स्वरूप के प्रथम दर्शन होंगे।

15 जुलाई-उमा यात्रा एवं रथ आज्ञामालाः रथ यात्रा के शुभारंभ की विधिवत आज्ञा दी जाएगी।

16 जुलाई-श्री गुंडीचा यात्राः भव्य रथ यात्रा निकलेगी। तीनों देव सुसज्जित रथों में विराजकर नगर भ्रमण करते हुए गुंडीचा मंदिर जाएंगे। हजारों श्रद्धालु रथ खींचकर पुण्य लाभ लेंगे। नगर जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंजेगा। बैठक में तय हुआ कि यात्रा को श्रद्धा, सेवा, अनुशासन और जनसहभागिता से ऐतिहासिक बनाया जाएगा। सभी धर्मप्रेमी नागरिकों, सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं से सपरिवार सहभागिता का आग्रह किया गया। बैठक में मनोज कंसारी, अशोक सामल, लव कुशवाहा, राजू कंसारी, उमेश मिश्रा, विनोद कंसारी, संतोष कंसारी, कृष्ण कंसारी, जगदीश गुप्ता, राहुल सिंह, गोलू यादव, राजा पंडा सहित सेवा समिति और उत्कल समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

रघुनाथनगर क्षेत्र में बिना परमिट वाहनों की आवाजाही पर उठे सवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वाड्राफनगर/रघुनाथनगर। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के वाड्रफनगर विकासखंड अंतर्गत रघुनाथनगर क्षेत्र में उत्तर प्रदेश से आने वाले बिना परमिट वाहनों की आवाजाही को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में टैक्सी, मैजिक और टेंपो जैसे वाहन बिना वैध परमिट के छत्तीसगढ़ की सीमा में प्रवेश कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन वाहनों के माध्यम से उत्तर प्रदेश से अवैध रूप से शराब सहित अन्य सामान लाए जाने की आशंका बनी रहती है। यदि यह सही है, तो इससे राज्य सरकार को राजस्व का नुकसान होने के साथ-साथ कानून-व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। लोगों ने यह भी सवाल उठाया है कि सीमावर्ती क्षेत्र होने के बावजूद बिना परमिट वाहनों का संचालन आखिर किस प्रकार हो रहा है और संबंधित विभागों द्वारा नियमित जांच क्यों नहीं की जा रही है। नागरिकों का कहना है कि परिवहन विभाग, आबकारी विभाग को संयुक्त अभियान चलाकर ऐसे वाहनों की जांच करनी चाहिए तथा बिना वैध दस्तावेज संचालित वाहनों पर नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि हाल के समय में जिले में प्रशासन के द्वारा लगातार अवैध परिवहन और अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई भी की गई है, जिससे लोगों की अपेक्षा है कि परिवहन नियमों के उल्लंघन के मामलों में भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि रघुनाथनगर एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाकर बिना परमिट वाहनों की जांच की जाए और यदि किसी प्रकार की अवैध गतिविधि पाई जाती है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बिना लाइसेंस कृषि सामग्री की बिक्री पर उठे सवाल, किसानों के हितों से हो रहा खिलवाड़?

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वाड्रफनगर। बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर क्षेत्र में बिना वैध लाइसेंस कृषि सामग्री बेचे जाने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई दुकानों पर धान बीज, उर्वरक और कीटनाशक खुलेआम बेचे जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश से लाकर बिना अनुमति बिक्री करने से किसानों को गुणवत्ता और प्रमाणिकता का खतरा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई दुकानों पर कृषि विभाग से आवश्यक लाइसेंस लिए बिना कारोबार किया जा रहा है। यदि यह सही पाया जाता है तो यह कृषि संबंधी नियमों का उल्लंघन हो सकता है। किसानों का कहना है कि बिना प्रमाणित बीज या कृषि सामग्री खरीदने से फसल की गुणवत्ता और उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। जानकारों के अनुसार कृषि बीज, उर्वरक और कीटनाशकों के विक्रय के लिए संबंधित विभाग से लाइसेंस लेना आवश्यक होता है तथा समय-समय पर निरीक्षण भी किया जाता है। छत्तीसगढ़ में इन लाइसेंसों की व्यवस्था राज्य के कृषि विभाग के माध्यम से संचालित की जाती है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि कृषि विभाग पूरे जिले में विशेष जांच अभियान चलाकर बिना लाइसेंस संचालित दुकानों की जांच करे, बाहरी राज्यों से लाई जा रही कृषि सामग्री की गुणवत्ता एवं वैधता की जांच कराए तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करे। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। फिलहाल इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। कृषि विभाग का पक्ष आना बाकी है। यदि जांच में अनियमितता मिली तो नियमों के तहत कार्रवाई होगी। जिले में कृषि विभाग सक्रिय है और निगरानी करता है।

जिलाधिकारी ने नवजात शिशु को पोलियो की खुराक पिलाकर किया सघन पल्स पोलियो महाअभियान का शुभारंभ

सोनभद्र। सघन पल्स पोलियो महाअभियान दिनांक 28 जून, 2026 से प्रारम्भ हो गया है। इसी क्रम में जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज प्राथमिक विद्यालय लोढ़ी में नवजात शिशु को पोलियो की दो बूंदें पिलाकर सघन पल्स पोलियो महाअभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि पोलियो एक गंभीर बीमारी है, लेकिन समय पर दी गई पोलियो की दो बूंदें बच्चों को आजीवन सुरक्षा प्रदान करती हैं। उन्होंने जनपद के सभी अभिभावकों से अपील की कि 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, चाहे उसे पहले कितनी भी बार पोलियो की दवा दी जा चुकी हो। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित नहीं रहना चाहिए।

'राम नाम पर भ्रष्टाचार नहीं चलेगा'-पवन खेड़ा, रेत माफिया पर गांव-गांव जाएगी कांग्रेस-बैज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया अध्यक्ष पवन खेड़ा रविवार रात रायपुर पहुंचे। उन्होंने सोमवार को 10 दिवसीय जिला अध्यक्ष प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में हिस्सा लिया। समापन के बाद खेड़ा ने आरएसएस और राम मंदिर ट्रस्ट पर तीखा हमला बोला।

पवन खेड़ा के बड़े बयान

आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि, ₹स्वतंत्रता आंदोलन और देश के इतिहास में संघ का कोई योगदान नहीं रहा। अयोध्या से उज्जैन तक की घटनाएं संघ की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती हैं।₹ राम मंदिर ट्रस्ट पर बोलते हुए कहा कि, राम मंदिर ट्रस्ट आरएसएस की सोच में बना है। पीएमओ की भी नजर रही है।

भगवान राम के नाम पर भ्रष्टाचार स्वीकार नहीं किया जा सकता। अयोध्या ट्रस्ट में वित्तीय अनियमितता के बावजूद बैंक की सिफारिश पर स्टाफ नहीं हटाया गया। गलत लोगों को बचाया जा रहा है। साय सरकार पर हमला करते हुए कहा कि प्रदेश में रेत माफिया सक्रिय हैं, स्मार्ट बिजली मीटर से असंतोष है और युवाओं की आवाज दबाई जा रही है।

दीपक बैज का दावा - नई कांग्रेस दिखेगी

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि प्रशिक्षण का असर जल्द दिखेगा। ₹छत्तीसगढ़ में अब नई कांग्रेस और आक्रामक कांग्रेस दिखेगी। जिला अध्यक्षों को संगठन, जनसंपर्क और राजनीतिक मुद्दों पर पूरी तरह प्रशिक्षित किया है।₹ बैज ने भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा - ₹प्रदेश में रेत माफिया का बोलबाला है। स्मार्ट मीटर से लोग नाराज हैं। कांग्रेस इन मुद्दों को गांव-गांव ले जाएगी। 10 दिन के मंथन से अमृत जरूर निकलेगा। दो साल बाद सरकार को गांवों में जाने से पहले सोचना पड़ेगा।₹

प्रशिक्षण शिविर में क्या हुआ

रायपुर में 10 दिन चले शिविर में जिला अध्यक्षों को संगठन मजबूत करने, चुनावी तैयारी, मीडिया प्रबंधन और जनता से संवाद के गुर सिखाए गए। इससे पहले राहुल गांधी भी शिविर में शामिल हुए थे और संगठन को मजबूत करने के टिप्स दिए थे। पवन खेड़ा ने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में ऐसा प्रशिक्षण जरूरी है।

हमारे शहरों में बढ़ती जनसंख्या और उसके अनुरूप अनियोजित भवन निर्माण सुरक्षा की दृष्टि से जानलेवा साबित हो रहे हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है तो संकरी गलियों के कारण दमकल विभाग की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। ऐसे में हादसा अनगिनत जानों को लील लेता है। प्रशासन द्वारा निर्धारित भवन निर्माण के नियम कोई रुकावट नहीं हैं, बल्कि ये हमारे जीवन की रक्षा के लिए बनाए गए बेहद जरूरी सुरक्षा कवच हैं। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि अवैध निर्माण लालची बिल्डरों और भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों के गठजोड़ से फलते-फूलते हैं। बिल्डर सुरक्षा प्रमाण पत्र जमा करते हैं, अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं और खरीदार अंत में फंसता है। छोटे शहरों में स्थिति और भी बदतर है। यहां नगर पालिकाएं संसाधनों की कमी और स्थानीय दबाव के आगे घुटने टेक देती हैं। अगर हम आज भी नहीं जागे और सुरक्षित भवन निर्माण की दिशा में तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए तो भविष्य में आगजनी की घटना अथवा आने वाला एक छोटा सा भूकंप भी हमारे विकास के सभी दावों को मलबे में बदल देगा। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

अनियोजित शहरीकरण से हादसों को निमंत्रण

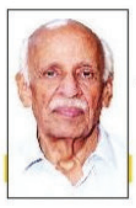

विश्लेषण

डॉ. चंद्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

विकास की इस तेज भागदौड़ में हम यह बुनियादी बात भूल जाते हैं कि शहर केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट और लोहे के बेजान ढांचे नहीं हैं; बल्कि ये एक जीती-जागती व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था को सही ढंग से चलने और सुरक्षित रहने के लिए एक दूरदर्शी योजना की बहुत जरूरत होती है। आज हमारे शहर बिना किसी सही योजना के जिस तरह से फैल रहे हैं, वह किसी भी समय जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी नाकामी 'भवन निर्माण के नियमों' की अनदेखी के रूप में सामने आती है, जो हमारे शहरों को एक सुलगते ज्वालामुखी में बदल रही है। भवन निर्माण के नियम किसी भी सुनियोजित शहर की रीढ़ होते हैं। ये वे कानूनी और तकनीकी दिशा-निर्देश हैं जो यह पक्का करते हैं कि कोई भी इमारत रहने वालों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो।

शहरों का विकास आधुनिक युग की एक बड़ी और सुखद सच्चाई है। हर दिन हजारों लोग एक बेहतर जिंदगी, रोजगार, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की आस में गांवों से शहरों की तरफ आ रहे हैं। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और चमक-दमक वाली जीवनशैली शहरों को बहुत आकर्षक बनाती है। लेकिन, विकास की इस तेज भागदौड़ में हम यह बुनियादी बात भूल जाते हैं कि शहर केवल ईंट, पत्थर, सीमेंट और लोहे के बेजान ढांचे नहीं हैं; बल्कि ये एक जीती-जागती व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था को सही ढंग से चलने और सुरक्षित रहने के लिए एक दूरदर्शी योजना की बहुत जरूरत होती है। आज हमारे शहर बिना किसी सही योजना के जिस तरह से फैल रहे हैं, वह किसी भी समय जानलेवा हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी नाकामी 'भवन निर्माण के नियमों' की अनदेखी के रूप में सामने आती है, जो हमारे शहरों को एक सुलगते ज्वालामुखी में बदल रही है। भवन निर्माण के नियम किसी भी सुनियोजित शहर की रीढ़ होते हैं। ये वे कानूनी और तकनीकी दिशा-निर्देश हैं जो यह पक्का करते हैं कि कोई भी इमारत रहने वालों के लिए पूरी तरह से सुरक्षित हो। इन नियमों में कई महत्वपूर्ण बातें शामिल होती हैं। जैसे कि इमारत के चारों ओर छोड़ी जाने वाली खाली जगह, जमीन के अनुपात में निर्माण की अधिकतम सीमा, आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम, भूकंप सहने की क्षमता, और आपात स्थिति में बाहर निकलने के सुरक्षित रास्ते। इसके पीछे का उद्देश्य केवल सुरक्षा नहीं होता, बल्कि यह भी होता है कि पड़ोसियों को भी पर्याप्त धूप और हवा मिल सके। जब शहरों का फैलाव बिना किसी पक्की योजना के, रातों-रात मनमाने तरीके से होता है, तो सबसे पहले इन्हीं नियमों की बलि चढ़ाई जाती है।

खास बातें

- भवन निर्माण के नियम हमारे और परिवार के जीवन की सुरक्षा की गारंटी
- संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं।
- नगर निगम और जमीन माफियाओं का भ्रष्ट गठजोड़ असली जिम्मेदार
- शहरों को सुरक्षित बनाने के लिए नियमों का पालन ही एकमात्र विकल्प

नियमों की हो रही अनदेखी

ज्यादा मनाफे की चाहत और जगह की कमी के नाम पर निर्माण करने वाले ठेकेदार और खुद भवन मालिक भी इन नियमों को ताक पर रख देते हैं। नतीजा यह होता है कि तंग गलियों में बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दी जाती हैं, जिनमें न तो हवा आने का कोई रास्ता होता है और न ही धूप का। इस अनदेखी का सीधा असर उन खौफनाक हादसों के रूप में सामने आता है, जो अब हमारे शहरों की रोजमर्रा की कहानी बन चुके हैं। बहुमंजिला इमारतों में भयानक आग लगने या उनके भरभरा कर गिर जाने की दर्दनाक खबरें अब आम हो गई हैं। आवासीय इलाकों में बिना सोचे-समझे व्यावसायिक गतिविधियां और कारखाने खोल दिए जाते हैं। ऐसे में जब कभी आग लगती है, तो संकरी गलियों के कारण दमकल की गाड़ियां समय पर नहीं पहुंच पातीं। इन इमारतों में संकट के समय बाहर निकलने के रास्ते या तो होते ही नहीं, या उन पर फालतू सामान रखकर रास्ता रोक दिया जाता है।

दम घुटने से ज्यादा मौतें

हवा के आने-जाने का सही रास्ता न होने के कारण आग लगने पर लोग लपटों से कम, और जहरीले धुएं से दम घुटने के कारण ज्यादा जान गंवाते हैं। इसी तरह, कमजोर नींव, घटिया निर्माण सामग्री और बिना अनुमति के बनाई गई अतिरिक्त मंजिलों के कारण कई इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह जाती हैं। जब इमारत बनाने से पहले मिट्टी की जांच और ढांचे की मजबूती परखने जैसे जरूरी कामों को नजरअंदाज किया जाता है, तो भूकंप का एक हल्का झटका या तेज बारिश भी भारी तबाही ला सकती है। बिना योजना के बसाए गए शहर जलभराव जैसी गंभीर मुसीबतों का भी मुख्य कारण हैं। भवन निर्माण नियमों में पानी की निकासी और बारिश के पानी को सहेजने के सख्त नियम होते हैं। अवैध निर्माण की होड़ में प्राकृतिक जल स्रोतों, नालों और तालाबों को मिट्टी से भरकर वहां ईंट-पत्थर के जंगल खड़े कर दिए जाते हैं।

जमा पानी की निकासी नहीं

इसका नतीजा यह होता है कि थोडी सी बारिश में ही पूरा शहर पानी में डूबने लगता है। पानी के निकलने का कोई रास्ता न बचने के कारण इमारतों के निचले हिस्सों में पानी भरने से होने वाली मौतें अब एक डरावनी सच्चाई बन गई हैं। यह सीधे तौर पर नगर नियोजन या शहर बसाने की योजना का मजाक उड़ाने का परिणाम है। यह डरावनी स्थिति एक-दो दिन में पैदा नहीं हुई है। इसके पीछे ढीली प्रशासनिक अव्यवस्था, लापरवाह नगर निगम और लालची जमीन माफियाओं का भ्रष्ट गठजोड़ जिम्मेदार है। दिन के उजाले में खुलेआम अवैध निर्माण होता रहता है और जिम्मेदार अधिकारियों की आंखों पर भ्रष्टाचार की पट्टी बंधी रहती है। रिश्वत और पहुंच के दम पर नियमों के खिलाफ बनी इमारतों को भी निर्माण पूरा होने का प्रमाणपत्र और अनापत्ति प्रमाणपत्र आसानी से मिल जाते हैं। सस्ते घर के लालच में लोग ऐसी इमारतों में अपने जीवन भर की गाढ़ी कमाई लगा देते हैं, जो कभी भी उनके लिए जानलेवा साबित हो सकती हैं। अब वह समय आ गया है कि बिना योजना के बढ़ते शहरीकरण और नियमों की अनदेखी पर गंभीरता से विचार किया जाए। नगर निगमों और विकास प्राधिकरणों को अपनी जिम्मेदारी सख्ती से समझनी और निभानी होगी। नियम तोड़ने वाले ठेकेदारों और भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

अवैध निर्माण वैध करना गलत

जर्माना लेकर अवैध निर्माण को वैध कर देने की गलत परंपरा को तुरंत बंद करना होगा। हवाई सर्वेक्षण और उपग्रह से प्राप्त चित्रों जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करके अवैध निर्माणों को शुरुआत में ही रोका जाना चाहिए। घर खरीदते या बनाते समय यह जांचना हर नागरिक का भी फर्ज है कि वह इमारत सभी कानूनी और सुरक्षा मानकों पर खरी उतरती हो। यदि बिना सोचे-समझे हो रहे शहरीकरण पर नियमों का सख्ती से पालन नहीं हुआ, तो ये बेतरतीब जंगल इसी तरह दर्दनाक हादसों को न्योता देते रहेंगे।

शहरीकरण की भूख से बर्बाद हो रहा मानव जीवन

हादसा

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

बढ़ती जनसंख्या के कारण शहरी सुविधाओं पर बढ़ते दबाव और हादसों का सबसे बड़ा कारण अनियोजित और अनियंत्रित शहरीकरण है, जिसके चलते बुनियादी ढांचा जिसमें सड़कें, सीवर, बिजली शामिल हैं- यह सब चरमरा जाता है। इससे भीड़भाड़, यातायात के दबाव और असुरक्षित निर्माण जैसे हादसे होते हैं। सीमित सड़कों पर वाहनों की भारी भीड़ और पैदल यात्रियों के मिश्रण से सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती हैं। बुनियादी ढांचे के अभाव में लोग अवैध, अनियोजित और कमजोर इमारतों में रहने को मजबूर होते हैं, जो ढहने या आग लगने जैसे हादसों का कारण बनती हैं। क्षमता से अधिक भार के कारण बिजली के शॉर्ट-सर्किट और आग लगने जैसी घटनाएं आम हो जाती हैं। जनसंख्या बढ़ने और कंक्रीट के जंगल बनने से बारिश के पानी की सही निकासी नहीं होती, जिससे सड़कों पर जलभराव, गड्ढे और करंट फैलने के घातक हादसे होते हैं।

यदि महानगरों की बात करें तो वह नब्बे प्रतिशत से अधिक अवैध रूप से इमारतें बनती हैं। चूंकि बिना नक्शे की बिल्डिंग बनाना हर किसी के लिए संभव नहीं हैं, जिसके चलते लोग नगर निगम के अधिकारियों को रिश्वत देकर बिना नक्शे की इमारत बना लेते हैं। लोगों की हवस यहां तक भी नहीं रुकती- पार्किंग के साथ चार फ्लोर तक बना सकते हैं, लेकिन कुछ पांच से सात फ्लोर तक बना लेते हैं और कई लोगों की जान जोखिम में डाल देते हैं। जब हादसा होता है तो कई लोग बेमौत मारे जाते हैं। नियम को अनदेखी करना जैसे लोगों की फितरत में शामिल हो गया। अब भवन निर्माण उपनियम आया तो लोगों के घर टूट रहे हैं जिससे अब लोग परेशान हो रहे हैं। इसमें लोगों की भी गलती नहीं मानी जा सकती ,चूंकि जैसा सिस्टम था, वह उनके अनुसार ही चल रहे थे लेकिन उन्हें क्या पता था कि जब सत्ता बदलती है तो बहुत कुछ बदलता है- मरना अंत में जनता का ही होता है। नक्शे व संबंधित डॉक्यूमेंट में यह स्पष्ट होता है कि इन खसरों पर किसी भी भवन या भूखंड का मानचित्र प्राधिकरण में स्वीकृत नहीं हो सकता। यहां बने निर्माण पूरी तरह अवैध हैं, इन क्षेत्रों में बिजली, पानी, सीवर, सड़क और नाली जैसी मूलभूत सुविधाएं भी प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। लोगों से कहा है कि किसी भी जमीन या भवन की खरीद-बिक्री से पहले उसकी स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें।ल बावजूद इसके बिल्डर धडल्ले से इमारत बना कर बेचते हैं और आश्चर्य की बात कि लोग खरीदते भी हैं। सीलिंग के बाद भी यहां बिजली पानी के मीटर तक लग जाते हैं। यदि हम हिन्दुस्तान के परिवेश में चर्चा करें तो हमारे यहां जनसंख्या का बेहद तेजी से बढ़ना जारी है तो उस आधार पर सरकारों को जनता के लिए जगह की व्यवस्था करनी होती है। इसके चलते जंगल का पर्यावरण बर्बाद किया जा रहा है। इसके अलावा प्रदूषण हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है । देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। मनुष्य की शहरीकरण की भूख ने इतनी हानि पहुंचा दी कि उसको यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया। यदि महानगरों की जीवनशैली व यापन की चर्चा करें तो यहां पिछले दो दशकों कम आयु में होने वाली मौतों के आंकड़ों ने चौंका दिया। मनुष्य की आयु का घटना लगातार जारी है। इंसान की उम्र करीब सौ वर्ष होती थी, लेकिन आज के दौर में साठ साल पर आकर सीमित रह गई। वैज्ञानिकों के अनुसार लगातार हो रही आपदाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों के बेहद अधिक इस्तेमाल को जिम्मेदार ठहराया है। उनका मानना है कि आज स्थिति के आधार पर हमारी धरती अपने भार से कहीं अधिक भार वहन कर रही है। अगर यही हाल रहा तो अगले दशकभर में धरती रहने लायक नहीं बचेगी, लेकिन मनुष्य आज भी सही राह पर चले तो वो अपना भविष्य सुधार सकता है। हर रोज न जाने कितने परिवार बर्बाद हो जाते हैं। वैश्विक सरकारों के माध्यम से पर्यावरण के प्रति जागरूकता और प्रकृति और पृथ्वी के संरक्षण के लिए तमाम कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। हमारे देश में भी इसको बेहद गंभीर मुद्दा माना जा रहा है, लेकिन कुछ देर ही जागरूक होकर फिर पुराने ढर्रे पर आ जाते हैं, जिससे हम सही दिशा पर नहीं आ पा रहे हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं हैं कि सरकार ऐसे मामलों में एक बड़ा बजट पारित करती है व इसके प्रति गंभीर भी रहती हैं। इसके लिए केन्द्र व राज्य स्तर पर विभाग कार्यरत भी हैं, लेकिन हम उतनी संजीदगी से इस बात की गंभीरता नहीं समझ पा रहे, जितने की जरूरत है। सरकार को कोई ऐसा नियम निकालना चाहिए, जिससे शहरों में नियम-कानून के साथ इमारत बनें। यदि किसी जगह आग लग जाती है तो शहरों की छोटी तो छोड़ो, बड़ी गलियों तक में एंबुलेंस नहीं जा पाती, चूंकि लोगों ने सड़कों को घेरा हुआ है।

देश की तरक्की व जनता की जरूरत के लिए ऐसे मुद्दों की गंभीरता न समझना मानव जीवन पर ही भारी पड़ रहा है। शहरीकरण की भूख ने इतनी हानि पहुंचा दी कि मनुष्य को यह मालूम ही नहीं पड़ा कि वो कब काल के गर्भ में प्रवेश कर गया।

भ्रष्ट नियामक और वास्तु का क्रेज

विरोधाभास

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

भारत में छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, भवन निर्माण नियमों का पालन एक सपना बनकर रह गया है। जहां एक ओर नियामक संस्थाएं कानून की रखवाली का दायित्व निभाने के बजाय भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुकी हैं, वहीं दूसरी ओर आम आदमी वास्तु शास्त्र के नाम पर 'परिपूर्ण' घर बनाने की होड़ में लगा हुआ है। यह विरोधाभास न केवल शहरी नियोजन को चुनौती दे रहा है, बल्कि सुरक्षा, पर्यावरण और सामाजिक न्याय के सवाल भी खड़े कर रहा है।

भारतीय शहरों में अनधिकृत निर्माण की समस्या कोई नई नहीं है। हर बड़े और छोटे शहर में यही कहानी दोहराई जाती है। भवन निर्माण नियम भूतल क्षेत्र अनुपात, पीछे हटाव, ऊंचाई सीमा, वाहन पार्किंग स्थान, अग्नि सुरक्षा और पर्यावरणीय मानकों को तय करते हैं, लेकिन इनका उल्लंघन आम बात है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अवैध निर्माण बिल्डर और सरकारी अधिकारी के गठजोड़ से फलते-फूलते हैं। बिल्डर सुरक्षा प्रमाण पत्र जमा करते हैं, अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं और खरीदार अंत में फंसता है। छोटे शहरों में स्थिति और बदतर है। यहां नगर पालिकाएं संसाधनों की कमी और स्थानीय दबाव के आगे घुटने टेक देती हैं। एक साधारण प्लॉट पर मंजूरी से दोगुनी मंजिलें चढ़ जाती हैं। अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी से बड़े हादसे होते हैं। बड़े शहरों में ऊंची इमारतों वाले अपार्टमेंट में प्रवेश कक्ष और तहखाने को व्यावसायिक स्थान में बदल दिया जाता है। कई कॉलोनियों में तहखाना वाहन पार्किंग स्थान की जगह दुकानें देखी जा सकती हैं। मुंबई में आदर्श सोसाइटी कांड या चेन्नई में इमारत गिरने की घटनाएं इस सड़ांध को उजागर करती हैं। देश भर के विभिन्न हिस्सों में यही स्थिति है, जहां नियमों की अनदेखी आम हो गई है। नियामक संस्थाएं भ्रष्टाचार का अड्डा क्यों बनीं? कारण स्पष्ट हैं- राजनीतिक दखल, कमीशन की संस्कृति और जवाबदेही का अभाव। भवन अनुमोदन प्रक्रिया में स्वयं प्रमाणन का चलन बढ़ा है, जहां इंजीनियर का प्रमाण पत्र ही काफी माना जाता है। स्थल निरीक्षण नाममात्र का होता है। पारदर्शिता की कमी और डिजिटल निगरानी का अभाव समस्या को बढ़ाता है। एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट बताती है कि शहरी नियोजन में रिश्वतखोरी की पिरामिड संरचना काम करती है, निचले स्तर से ऊपरी स्तर तक। इस बीच, वास्तु शास्त्र का क्रेज आसमान छू रहा है। लोग नए घर या कार्यालय बनाते समय दिशाओं, रंगों, सामग्री और 'ऊर्जा प्रवाह' का ख्याल रखने लगे हैं। वास्तु सलाहकारों की फीस लाखों में पहुंच गई है। देश के विभिन्न महानगरों में 'वास्तु अनुरूप' संपत्तियों की मांग बढ़ी है। बिल्डर विपणन में इसे अनोखी विशेषता बना रहे हैं-'उत्तर मुखी', 'सकारात्मक ऊर्जा' वाले फ्लैट। आज कई परिवार घर खरीदते या बनाते समय वास्तु विशेषज्ञ बुलाते हैं, लेकिन निर्माण नियमों की अनदेखी करते हैं। नतीजा? भूकंप या आग में जान-माल का नुकसान। वास्तु अच्छा है-यह प्राचीन भारतीय विज्ञान पर्यावरण और मनोविज्ञान को जोड़ता है-लेकिन जब यह भ्रष्ट निर्माण को सही ठहराने का बहाना बन जाए, तो समस्या गहरी हो जाती है। बिल्डर 'वास्तु अनुरूप' कहकर अवैध विस्तार बेचते हैं, जबकि अग्नि निकास या संरचनात्मक सुरक्षा की परवाह नहीं करते। देश के कई इलाकों में वास्तु के नाम पर अतिरिक्त बालकनी या कमरे जोड़े जा रहे हैं, जो इमारत की मजबूती को कमजोर कर देते हैं। इससे शहरों की सौंदर्यता बिगड़ रही है और यातायात जाम बढ़ रहा है। पर्यावरण की दृष्टि से भी यह हानिकारक है, क्योंकि हरे-भरे स्थान घिर रहे हैं। समाधान क्या है? सबसे पहले, भवन निर्माण नियमों को सरल, डिजिटल और पारदर्शी बनाना होगा।

भौगोलिक सूचना प्रणाली, ड्रोन सर्वेक्षण और ऑनलाइन मंजूरी प्रणाली लागू करें। भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई, आपराधिक दायित्व और तीसरी पक्ष की जांच जरूरी है। वास्तु को वैज्ञानिक दृष्टि से बढ़ावा दें-इसे सतत वास्तुकला का हिस्सा बनाएं, न कि अंधविश्वास का, लेकिन अंधविश्वास और नियमों की अनदेखी खतरनाक है। देश के प्रख्यात वास्तुकार उज्जवल उपाध्याय कहते हैं कि सरकारें स्मार्ट शहर, अमृत 2.0 जैसी योजनाओं में भवन संहिता लागू करने पर ध्यान केंद्रित करें। जन जागरूकता अभियान चलाएं, ताकि खरीदार नियम जांचें। अगर हम नियमों का पालन करें और वास्तु को समझदारी से अपनाएं, तो ही स्वस्थ, सुंदर और सुरक्षित शहर बना पाएंगे। साफ है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जागरूकता से ही यह समस्या हल हो सकती है।

आज कई परिवार घर बनाते समय वास्तु विशेषज्ञ बुलाते हैं, लेकिन निर्माण नियमों की अनदेखी करते हैं। अगर हम नियमों का पालन करें और वास्तु को समझदारी से अपनाएं, तो ही सुंदर और सुरक्षित शहर बना पाएंगे। साफ है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक जागरूकता से ही यह समस्या हल हो सकती है।

बिल्डिंग बायलॉज का कड़ाई से हो पालन

व्यवस्था

डॉ. विजेंद्र कुमार

स्वतंत्र स्तंभकार

विकास की अत्यंत तेज रफ्तार ने हमारे शहरों को आसमान छूती ऊंची इमारतों और कंक्रीट के विशाल जंगलों में बदल दिया है। दूर से देखने पर ये शहर भले ही बहुत आधुनिक और प्रगतिशील लगते हैं, लेकिन इनकी नींव में एक ऐसी भयंकर लापरवाही छिपी है, जो किसी भी पल एक बहुत बड़ी तबाही ला सकती है। आज हमारे शहर भूकंप के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं।

विडंबना यह है कि इन शहरों में भूकंप से बचाव करने वाली तकनीक और इससे जुड़ी संस्थाओं की भारी कमी है। स्थिति इतनी नाजुक और चिंताजनक हो चुकी है कि एक छोटा या मध्यम गति का भूकंप भी हमारे शहरों में बहुत बड़े हादसों का कारण बन सकता है। ऐसे में 'भवन निर्माण के नियमों' का वास्तविक महत्व और उनका पूरी कड़ाई से पालन करना हमारे लिए बेहद जरूरी हो जाता है। हमारे देश का एक बहुत बड़ा हिस्सा भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों के अंतर्गत आता है। विशेष रूप से उत्तर भारत, हिमालय के आसपास के पहाड़ी इलाके और कई घनी आबादी वाले बड़े शहर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में बसे हुए हैं। इन इलाकों में तेजी से बढ़ती हुई आबादी और बिना किसी उचित योजना के हो रहे शहरीकरण ने खतरे को कई गुना अधिक बढ़ा दिया है। शहरों में जगह की भारी कमी और ज्यादा मुनाफा कमाने के लालच में लोग संकरी गलियों के भीतर भी कई मंजिला इमारतें खड़ी कर रहे हैं। इन इमारतों को बनाते समय न तो मिट्टी की मजबूती की ठीक से जांच की जाती है और न ही दो इमारतों के बीच आवश्यक दूरी छोड़ी जाती है। यह हमारी उस लापरवाह सोच का नतीजा है जो मुसीबत आने से पहले उसकी तैयारियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देती है। किसी भी शहर के सुरक्षित, व्यवस्थित और सुनियोजित विकास के लिए 'भवन निर्माण के नियम' बनाए जाते हैं। इन नियमों में मुख्य रूप से इमारत की ऊंचाई, नींव की गहराई, इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता, हवा-रोशनी की उचित व्यवस्था, आपात स्थिति में बाहर निकलने के रास्ते और भूकंप से बचाव के मापदंड तय होते हैं। इनका एकमात्र उद्देश्य प्राकृतिक आपदा के समय जान और माल के नुकसान को कम करना है। हकीकत यह है कि ये महत्वपूर्ण नियम अक्सर केवल सरकारी फाइलों तक ही सीमित रह जाते हैं। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक ढिलाई के कारण इनकी खुलेआम अनदेखी होती है। नक्शे में जो डिजाइन कागजों पर दिखाया जाता है, असल निर्माण उससे बिल्कुल अलग होता है। कई बार ठेकेदार बिना किसी विशेषज्ञ की सलाह लिए मनमाने तरीके से इमारतें तान देते हैं। भूकंप के खतरों की गंभीरता को देखते हुए हर नई इमारत का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से होना चाहिए, लेकिन आज भी आम आदमी इसे एक फालतू खर्च मानता है और इससे बचने का हर संभव प्रयास करता है। इसके अलावा देश में ऐसे कुशल इंजीनियरों, राजमिस्त्रियों और निर्माण संस्थाओं की भारी कमी है, जिन्हें इस तकनीक का सही और व्यावहारिक ज्ञान हो। हमारे पास ऐसी संस्थाओं का भी घोर अभाव है जो पुरानी और कमजोर पड़ चुकी इमारतों को नई तकनीक के माध्यम से सस्ती दरों पर मजबूत बना सकें। हम अक्सर यह सोचकर बेफिक्र हो जाते हैं कि केवल बहुत तेज भूकंप ही तबाही लाता है, लेकिन हमारे शहरों की वर्तमान बनावट और कमजोर ढांचे को देखते हुए यह सोच जानलेवा है। जब इमारतें बुनियादी सुरक्षा मानकों के बिना, खराब सामग्री से और नियमों को पूरी तरह ताक पर रखकर बनी हों, तो छोटी गति का भूकंप भी विनाशकारी साबित हो सकता है। संकरी गलियों में एक-दूसरे से बिल्कुल सटी हुई इमारतें जब हिलती हैं, तो उनके आपस में टकराने से वे बहुत आसानी से ढह सकती हैं। मलबे के कारण रास्ते पूरी तरह बंद हो जाते हैं और बचाव कार्य के लिए दमकल की गाड़ियों या एंबुलेंस का पहुंचना लगभग असंभव हो जाता है। हम एक बारूद के ढेर पर बैठे हैं जहां धरती का हल्का झटका भी हजारों जिंदगियों को मलबे में दबा सकता है। इस बड़े खतरे से निपटने के लिए हमें युद्ध स्तर पर काम करने की बहुत सख्त जरूरत है। सरकार को यह पक्का करना होगा कि भवन निर्माण नियमों का पालन सिर्फ दिखावा न रहे। नियम तोड़ने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो। पुरानी और व्यावसायिक इमारतों के ढांचे की मजबूती की नियमित जांच अनिवार्य रूप से की जाए।

हर नई इमारत का निर्माण भूकंपरोधी तकनीक से होना चाहिए, लेकिन आज भी आम आदमी इसे एक फालतू खर्च मानकर इससे बचने का प्रयास करता है। इसके अलावा, देश में ऐसे कुशल इंजीनियरों, राजमिस्त्रियों की भारी कमी है, जिन्हें इस तकनीक का सही और व्यावहारिक ज्ञान हो

खबर संक्षेप

छात्रा पर भड़का कोर्ट आपकी मर्जी नहीं चलेगी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कम हाजिरी से परीक्षा में बैठने से रोकने के विवि के फैसले को चुनौती देने

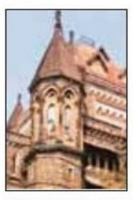

वाली लॉ की छात्रा को 'लापरवाह और गैर-जिम्मेदाराना बयान देने के लिए फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा न्याय का मतलब यह नहीं कि मैं जो चाहूं और जैसे चाहूं करूं। जस्टिस विभा कंकनवाड़ी,अजित कदेथंकर की बेंच ने यह कहा।

टायर गोदाम में आग लाखों का माल खाक

मुंबई। मुंबई-नासिक हाइवे पर भिवंडी के निंबावली इलाके में टायर और लकड़ी के पैलेट के

गोदाम में भीषण आग लग गई। आसमान में धुएं का गुबार छा गया। गोदाम को पूरी तरह आग ने अपनी चपेट में ले लिया है। जिससे गोदाम का सामान जलकर खाक हो गया।सभी कर्मचारियों को सुरक्षित निकाल लिया। कोई हताहत नहीं हुआ है।

अनंत अंबानी ने तिरुपति में चढ़ाए बाल

तिरुपति। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी एक बार फिर गहरी धार्मिक

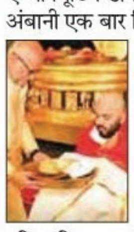

आस्था और सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर चर्चा में हैं। रविवार को उन्होंने आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध तिरुमला श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगवान के दर्शन किए। पवित्र सुप्रभात सेवा में भाग लिया। पारंपरिक केश दान किया।

अमरावती में हादसे में 5 लोगों की मौत

अमरावती। समृद्धि महामार्ग पर एक और हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। रविवार सुबह अमरावती के

धामनगांव रेलवे तालुका में हुए इस हादसे में एक ही परिवार के 5 सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब चंद्रपुर से मुंबई जा रही वैगन-आर तेज रफ्तार ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री मोदी ने कई बातों का किया जिक्र

इस महीने भारत को कई उपलब्धियां मिलीं

आज सागर से लेकर अंबर तक हमारा देश सुरक्षित और आत्मनिर्भर बना

मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें एपिसोड में बोले

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें एपिसोड के जरिए एक बार फिर देश और दुनिया भर में बसे भारतीयों से संवाद किया। सुबह 11 बजे प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर लोगों में खास उत्साह दिखा।

यह पिछले कई वर्षों से प्रधानमंत्री और आम जनता के बीच सीधे संवाद का एक अहम माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस महीने भारत ने कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन पर हर देशवासी को गर्व है। कोलकाता में आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और आईएनएस अग्रय को भारतीय नौ-सेना के बेड़े में शामिल किया गया। इन जहाजों की डिजाइन और उत्पादन तक,सब कुछ स्वदेशी है। जून में ही एविएशन में भी देश ने एक बड़ी सफलता पाई। सी-295, ये विमान मेड इन इंडिया है और सी-295 विमान ने अपनी पहली उड़ान पूरी की है और ऐसे 40 विमान, भारत में ही बनाए जा रहे हैं। इससे देश सुरक्षित और आत्म निर्भर बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा-इस महीने भारत ने कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की जिन पर गर्व

सफलताएं सभी भारतीयों के सामूहिक प्रयास का परिणाम

पीएम मोदी ने कहा कि ये सफलताएं देश की आत्मनिर्भर भारत की यात्रा को और मजबूत करती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत लगातार विभिन्न क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छू रहा है और देश के नागरिकों की मेहनत तथा नवाचार इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां सरकार की नहीं, 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम हैं ।

योग ने पूरी दुनिया को जोड़ा

प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने एक बार फिर पूरी दुनिया को जोड़ने का काम किया है। उन्होंने बताया कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर योग के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जबकि भारत में करोड़ों लोगों ने योग कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

नांदेड़ के परिवार की सराहना की

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के बहादुरपुरा गांव के पेठकर परिवार की सराहना की। इस परिवार ने अनोखा फैसला लिया। परिवार ने 3 हजार लोगों के लिए दुर्घटना बीमा की व्यवस्था की।

'हरगिला आर्मी', बर्मन के प्रयास सराहनीय

प्रधानमंत्री ने असम की 'हरगिला आर्मी' और जीव-वैज्ञानिक पूर्णिमा देवी बर्मन के प्रयासों की सराहना की। मोदी ने कहा कि असम में पाया जाने वाला दुर्लभ पक्षी 'हरगिला' प्रकृति को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण है, लेकिन लंबे समय तक इसे अशुभ माना जाता था। कई लोग उन पेड़ों को भी काट देते थे, जिन पर इस पक्षी के घोंसले बने होते थे।प्रधानमंत्री ने बताया कि जीव-वैज्ञानिक पूर्णिमा देवी बर्मन ने लोगों की इस सोच को बदलने का संकल्प लिया।

नगालैंड की जमीनी स्तर की खेल पहलों को सराहा

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में नगालैंड की जमीनी स्तर की खेल पहलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'नगालैंड बेबी लीग' और 'नगालैंड विमेन फुटसल लीग' युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने का बेहतरीन मंच प्रदान कर रही हैं। पीएम मोदी ने बताया कि 'नागालैंड बेबी लीग' की शुरुआत बच्चों को फुटबॉल से जोड़ने के लिए की गई थी।

'ब्रह्मकमल डोमिनिकाना' समूह को प्रेरणादायी बताया

प्रधानमंत्री ने डोमिनिकन रिपब्लिक के 'ब्रह्मकमल डोमिनिकाना' समूह की सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि यह पहल दुनिया भर में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है। स्पेनिश भाषी लोगों के इस समूह के सदस्य मिलकर वैदिक साहित्य का अध्ययन कर रहे हैं और वैदिक मंत्रों का उच्चारण भी सीख रहे हैं। आज वे पुरुष सूक्तम, श्री सूक्तम, श्री रुद्रम, दुर्गा सूक्तम और देवी महात्म्यम जैसे कई मंत्रों का सटीक जाप कर रहे हैं। उनका प्रयास बेहद प्रेरणादायक है।

सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का जिक्र किया

प्रधानमंत्री ने सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सस्ती बीमा योजनाएं देश के करोड़ों परिवारों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही हैं। 'प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना' के तहत केवल 20 रुपए के सालाना प्रीमियम पर 2लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा उपलब्ध कराया जाता है। योजना से 58 करोड़ से अधिक लोग जुड़ चुके हैं। 'प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना' का भी उल्लेख किया।

चढ़ावा चोरी में एसआईटी की कार्रवाई

जेल भेजे गए आरोपियों के घर पर की छापेमारी, डिटेल खंगाला

8 आरोपियों के घर और प्रतिष्ठानों पर छापा

एजेंसी ⏭ अयोध्या

राम नगरी में राम जन्मभूमि परिसर के मंदिरों से चढ़ावा सहित अन्य बेशकीमती वस्तुओं की चोरी के प्रकरण में जेल भेजे गए आठों आरोपितों के घर और प्रतिष्ठानों पर रविवार को पुलिस की टीमों ने ताबड़तोड़ छापा मारा है। एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट पर 8 नामजद और एक अज्ञात सहित 9 के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। चढ़ावा सहित अन्य बेशकीमती वस्तुओं की चोरी के प्रकरण में एसआईटी के बाद अब अयोध्या पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया है। पुलिस की टीमें सबसे पहले रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव के घर पहुंचीं। जांच अधिकारी सीओ आशुतोष त्रिपाठी के नेतृत्व में छापा मारने पहुंची पुलिस टीम से टिन्नू के रिश्तेदार की बहस भी हुई। अनुकल्प, लवकुश व अविनाश के के घरों पर छापे मारी की। जेल भेजे गए कुछ आरोपियों के घर पर भारी संख्या में फोर्स के साथ सुबह सात बजे से छापा मारा।

टिन्नू के आवास पर पुलिस का छापा, अन्य जगहों पर भी तलाशी

चढ़ावा चोरी मामले में आरोपितों को जेल भेजने के साथ ही पुलिस की जांच तेज हो गई है। रविवार सुबह ही पुलिस ने टिन्नू के आवास पर छापा मारा। उसके घर पर तलाशी ली। इस अन्य आरोपितों के घर और उनके संभावित ठिकानों पर पुलिस टीमें जांच कर रही हैं। अन्य आरोपियों के घरों पर भी छानबीन की जा सकती है। पुलिस की जांच का दायरा अब बढ़ रहा है। 8 ट्रस्ट कर्मियों ने चोरी की रकम कहां निवेश की है इसका पता करने के लिए भी पुलिस इनके बैंक खातों को खंगालने की तैयारी कर रही है। काल डिटेल से इस बात का पता लगाएगी कि आरोपी किन ट्रस्टियों और बैंककर्मियों के संपर्क में थे। गबन करने के बाद आरोपितों की तरफ से किससे अधिक लेन-देन किया गया यह भी सामने आ जाएगा।

बैंक खातों व कॉल डिटेल की छानबीन की

मंदिर व्यवस्था से जुड़े रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू के अलावा ट्रस्ट कर्मी अनुकल्प मिश्र, उसका बहनोई लवकुश मिश्र, टिन्नू का भतीजा मनीष यादव, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्र, अविनाश शुक्ल व रिटायर्ड बैंककर्मी सुभाष श्रीवास्तव शामिल हैं।जांच के बीच ही यह तथ्य उजागर हो चुके हैं कि इन लोगों ने विभिन्न जगहों पर महंगे भूखंड खरीदे हैं और अन्य मदों में निवेश किया है। बैंक खातों व काल डिटेल की की छानबीन शुरू हो

बेअदबी कानून के मुद्दे पर पंजाब में बढ़ा विवाद

मुख्यमंत्री मान ने कहा

सभी सिख विधायक व मंत्री आज अकाल तख्त के सामने पेश होंगे

एजेंसी ⏭ चंडीगढ़

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने रविवार को कहा कि बेअदबी कानून के मुद्दे पर सभी सिख विधायक और मंत्री 29 जून को अकाल तख्त के समक्ष पेश होंगे। मान ने अमृतसर में पार्टी विधायकों के साथ बैठक के बाद यह कहा। बैठक में अकाल तख्त के निर्देशों के मद्देनजर रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। मान ने कहा कि हमारे विधायक व मंत्री अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करेंगे। जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने 15 जून को सभी से बेअदमी कानून पर सवाल किए थे।

कुछ कानूनों को हटाने की बात आई सामने

अकाल तख्त ने पहले राज्य सरकार से कहा था कि वह बेअदबी कानून से उन प्रावधानों को हटाए, जो गुरु ग्रंथ साहिब, खालसा

पंथ और 'संगत' (सिख समुदाय) की भावनाओं के खिलाफ हैं। जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026 को 13 अप्रैल को पंजाब विधानसभा ने सर्वसम्मति से पारित किया था। इसमें गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी से जुड़े किसी भी कृत्य के लिए उम्रकैद सहित कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। अन्य दलों के सिख विधायकों ने पुष्टि कर दी कि वे अकाल तख्त के समक्ष पेश होंगे।

अनुसूचित जनजातियों पर लागू नहीं होगा यूसीसीः सीएम सुवेंदु

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की बीजेपी सरकार वर्तमान विधानसभा सत्र के दौरान राज्य में यूनिफ़ॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने

के लिए एक बिल लाने की योजना बना रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने साफ किया कि कोड में कुछ भी शेड्यूल्ड ट्राइब्स (एसटी) पर लागू नहीं होगा। समिक भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा का स्टैंड साफ है। यह पार्टी के इलेक्शन मैनिफेस्टो और राजनीतिक वादे का हिस्सा है।

राहुल के कामों की आलोचना की पूर्व राष्ट्रपति प्रणब की बेटी शर्मिष्ठा ने कहा

राजनीति 24 घंटे 365 दिन का काम, राहुल कुछ इवेंट्स के बाद लगातार गायब हो रहे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि राहुलजमीनी स्तर पर कुछ दिन सक्रिय रहने के बाद गायब हो जाते हैं। शर्मिष्ठा ने बताया कि 2014 से, लगभग उसी समय से जब राहुल कांग्रेस के चेहरे के रूप में उभरने लगे थे, पार्टी लगातार चुनाव हारती रही है। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का अच्छा नतीजा मिला।

कुछ रैलियां की और फिर भागे

शर्मिष्ठा ने कहा कि अफसोस की बात है कि राहुल गांधी कुछ इवेंट्स करते हैं और फिर गायब हो जाते हैं। राजनीति 24 घंटे, 365 दिन का काम है। आप आते हैं और फिर 2 दिन बाद चले जाते हैं। आप कुछ रैलियां करते हैं और फिर चले जाते हैं। तो, मेरे हिसाब से राजनीति ऐसी नहीं होती।

दिल्ली में लगे राहुल के 'गुमशुदा' वाले पोस्टर

दिल्ली में कई जगहों पर राहुल गांधी के खिलाफ पोस्टर लगे हुए दिखाई दिए। ये मंडी हाउस, आईटीओ आदि इलाकों में लगे हुए थे। बड़े शब्दों में लिखा था- गुमशुदा। भाजपा के शहजाद पूनावाला ने सवाल उठाए थे।

बेंगलुरु में 'नशा मुक्त भारत सम्मेलन' को संबोधित किया

उपराष्ट्रपति : नशा-मुक्त भारत बनाने के लिए लोगों का सामूहिक प्रयास जरूरी

नशा उत्पादकता, परिवार कल्याण और विकास में बाधक

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शिक्षण संस्थानों, परिवारों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों तथा कानून लागू कराने वाली एजेंसियों से नशा-मुक्त भारत बनाने के लिए मिलकर काम करने का रविवार को आह्वान किया। उन्होंने कहा यह अभियान सभी शैक्षणिक परिसरों, शहरों और पूरे देश में चलाया जाना चाहिए।बेंगलुरु में राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विवि के स्थापना दिवस समारोह और 'नशा मुक्त भारत सम्मेलन' में राधाकृष्णन ने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन न केवल व्यक्ति की सेहत के लिए, बल्कि शिक्षा, उत्पादकता, परिवार कल्याण का नाशक है।

खात्मे के लिए इच्छाशक्ति को अहम बताया

उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत का दृष्टिकोण सिर्फ मादक पदार्थों का न होना नहीं है। स्वस्थ विकल्प, सोच-समझकर लिए गए फैसले, सहयोगी परिवार और मजबूत समुदाय।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने स्वास्थ्य शिक्षा को मजबूत करने और स्वास्थ्य सेवा पेशेवर तैयार करने में अहम है। छात्र उपचार, जन-जागरूकता, नीति-समर्थन और साक्ष्य-आधारित समाधानों के जरिए मादक पदार्थों के खतरे से निपटने की कोशिशों में अगुवाई करेंगे।

पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग

जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे वांगचुक-प्रधान इस्तीफा दें

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर मंतर पर नीट पेपर लीक, परीक्षा प्रणाली में सुधार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का आंदोलन लगातार 9वें दिन भी जारी है। इस प्रदर्शन में हर दिन नए घटनाक्रम सामने आए हैं। पुलिस के साथ कई बार नोकझोंक हुई, सुविधाओं को लेकर आरोप लगे और अब सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। भूख हड़ताल शुरू करने से पहले उन्होंने अभिजीत दीपके के साथ राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। हरियाणा की खाप पंचायतों के प्रतिनिधि भी प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे।

20 जून से शुरू हुए इस प्रदर्शन में हर दिन नए घटनाक्रम सामने आ रहे

बिजली पानी को लेकर बढ़ा विवाद

आंदोलन के दौरान अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि कुछ समय के लिए धरनास्थल पर बिजली और पानी की आपूर्ति रोक दी गई थी। हालांकि बाद में दोनों सेवाएं बहाल कर दी गईं। इस घटना के बाद प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर आंदोलन को कमजोर करने का आरोप लगाया।

जब तक मांगें नहीं पूरी होंगी, धरना देंगे

सीजेपी नीट पेपर लीक की निष्पक्ष जांच, परीक्षा प्रणाली में सुधार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन कर रही है। जब तक उनकी प्रमुख मांगें पूरी नहीं होंगी, जंतर मंतर से धरना समाप्त नहीं किया जाएगा।

20 जून से शुरू हुआ प्रदर्शन

दिल्ली पुलिस से अनुमति मिलने के बाद 20 जून को दीपके समर्थकों के साथ जंतर मंतर पहुंचे। छात्र हाथों में पोस्टर और थाली चम्मच लेकर शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही की मांग करते नजर आए। अनुमति अवधि समाप्त होने के बाद पुलिस ने प्रदर्शन खत्म करने को कहा, लेकिन नहीं उठे।

नाम संशोधन / नाम परिवर्तन संबंधी घोषणा

मैं, वरुण अग्रवाल, पिता श्री राकेश गर्ग, निवासी हाउस न. 110 वार्ड न. 17 सांवरिया ड्रेसेस, जोड़ा पीपल, अंबिकापुर, जिला सरगुजा, छत्तीसगढ़, यह घोषणा करता हूँ कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम वरुण अग्रवाल अंकित है, जबकि मेरी कक्षा 10वीं और 12 वी की अंकसूची में मेरा नाम वरुण गर्ग अंकित है।मैं यह घोषित करता हूँ कि मेरा सही एवं वास्तविक नाम वरुण अग्रवाल है तथा भविष्य में मैं सभी सरकारी, शैक्षणिक एवं अन्य आधिकारिक अभिलेखों में वरुण अग्रवाल नाम से ही जाना, पहचाना एवं अभिलेखित किया जाता है।

अतः संबंधित सभी विभागों एवं प्राधिकरणों से अनुरोध है कि मेरे सभी वर्तमान एवं भविष्य के अभिलेखों में मेरा नाम वरुण अग्रवाल ही दर्ज किया जाए।

स्थानः अंबिकापुर, जिला सरगुजा, छत्तीसगढ़

(वरुण अग्रवाल)
पिता - श्री राकेश गर्ग

न्यायालय तहसीलदार/ कार्यपालिक दंडाधिकारी रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छग)

ईस्तहार

रा प्र क्रमांक इ 121/25-26

आम जनता ग्रामवासी ग्राम पवनपुर को सूचित किया जाता है कि श्री पवन साय आ. श्री रनु जाति गोंड़ निवासी ग्राम पवनपुर थाना रामानुजनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छग) द्वारा अपने पिता रनु आ. मांझी का मृत्यु दिनांक 10/10/2009 दस अक्टूबर सन्दो हजार नौ को हो जाने से अपने पिता रनु आ. मांझी का मृत्यु प्रमाणपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है,जिस कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। जिस किसी आम जनता/ ग्रामवासियों को कोई आपत्ति/ आक्षेप हो तो वह अपना आपत्ति दिनांक 03/07/2026 को इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है नियत तिथि के पस्चात कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 22/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार कार्यपालिक दंडाधिकारी
रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छग)

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत क्षेत्र सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक निरज कुमार आ० विजय शंकर निगम निवासी शिवपार्क कालोनी तहसील सूरजपुर के द्वारा सूरजपुर में स्थित भूमि खसरा नम्बर 2197/6 रकबा 0.0360 हे. भूमि को अनावेदिका ललीता तिवारी से विक्रय करने का अनुबंध हुआ है किन्तु उक्त भूमि का व्यपवर्तन होने से विक्रय किये जाने हेतु अनुमति प्रदान किये जाने बावत आवेदन पत्र सह अन्य दस्तावेज पेश किया गया है। अतः उक्त सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 30/06/2026 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 22/06/2026 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

तहसीलदार सूरजपुर,
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रतनी अग्रवाल पति विनोद कुमार अग्रवाल निवासी अस्पताल रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4564/7 रकबा 0.033 हे0 भूमि को अनावेदक राजेश अग्रवाल आ०रामअवतार अग्रवाल निवासी बिलासपुर रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर ज़िला सरगुजा छ०ग० के पास निजी कार्य हेतु रूपयो की आवश्यकता होने के कारण अंकन राशि 90,00,000/- मे सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 15/07/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि व अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 15/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

Name modification notice

I am Varun Agrawal son of Rakesh Garg, HOUSE NO.110 WARD NO.17 sawariya dresses joda pipal Ambikapur District Sarguja. I am informing that my name in Aadhaar card is Varun agrawal. Whereas in 10th & 12th mark sheet it is Varun garg. Hence, my name is Varun Agrawal. And I am To be known and recognized by name. It should be recorded by this name in all government documents

.Varun Agrawal
Son of Rakesh Garg
Ambikapur, District Sarguja

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं वेद्रप्रकेश (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी रामेश्वर पैकरा, शहर / गाँव-परसापारा घरजीयाबथान, तहसील-पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम-वेद्रप्रकेश (पुराना नाम) से बदल कर बेद प्रकाश पैकरा. (नया नाम) रख लिया है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका बलवंत राय अग्रवाल आ०/पति रामचन्द्र गर्ग जाति निवासी खरसिया रोड अम्बिकापुर. तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-खरसिया रोड़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2833/1, 2833/3 रकबा 1572.51, 2256.40 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31/03/2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र, प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 03/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।आज दिनांकः- 18/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका संतोष कुमार सिंह आ०/पति रमाकांत सिंह जाति निवासी डी०सी० रोड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापूर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-डी०सी० रोड, शीट नम्बर-4 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढाने हेतु 1893/24, 1893/63 रकबा 0.04, 0.05 3/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31/03/2026 आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 03/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 18/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

पर्यटन के क्षेत्र में जशपुर बना रहा अलग पहचान

प्राकृतिक सौंदर्य और सुकुन के पल बिताने पर्यटक हो रहे आकर्षित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में जशपुर जिला तेजी से एक उभरते पर्यटन स्थल के रूप में अपनी अलग पहचान बना रहा है। जशपुर अपनी प्राकृतिक सौंदर्य, हरि भरी वादियां नदी, पहाड़ झरने आदिवासी संस्कृति रहन-सहन लोक संस्कृति से परिपूर्ण। शहरों के भागदौड़ की जिन्दगी से दूर सुकुन बिताने के जशपुर लोगों को अपनी ओर सहज ही आकर्षित करता है। पर्यटन की बात करें तो जशपुर में ऐसे कई पर्यटन स्थल हैं जहां आकर मन को एक अलग सुकुन की अनुभूति कराता है। जिले में देश देखा,रानीदाह जलप्रपात ,चाय बगान,दमेरा, कुनकुरी विकास खंड में मयाली नेशचर कैम विश्व सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग मधेश्वर पहाड़, बगीचा विकास खंड में खुडिया रानी, राजपुरी जलप्रपात दनगरी जलप्रपात कैलाश गुफा सहित अन्य पर्यटन स्थल का आनंद लिया जा सकता है। बगीचा विकासखंड में घने जंगलों के बीच बनी कैलाश गुफा एक अद्भुत प्राकृतिक गुफा है जशपुर शहर से 15 किलोमीटर दूर स्थित यह जलप्रपात हरी भरी पहाड़ियों और जंगलों से घिरा हुआ है। पिकनिक का आनंद उठाने के लिए बेहतरीन पर्यटन स्थल में शामिल हैं। बगीचा विकासखंड में राजपुरी जलप्रपात पर्यटकों को अपनी ओर सहज ही आकर्षित करता है। कुनकुरी विकासखंड में मयाली नेचर कैंप एडवेंचर और प्रकृति प्रेमियों के लिए बेहतरीन जगह है। यहां बोटिंग और शानदार नजारों का आनंद लिया जा सकता है। यहां के मयाली में विश्व का सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में जाना जाता है। इस विशालकाय प्राकृतिक पर्वत को लार्जेस्ट नेचुरल शिवलिंग के रूप में प्रतिष्ठित गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। मधेश्वर पहाड़ प्राकृतिक रूप से हुबहू शिवलिंग के आकार में दिखाई देता है। यह लोगों की आस्था से भी जुड़ा हुआ है। फरसाबहार विकासखंड में ईब नदी के किनारे कोतेबिरा प्राकृतिक स्थल अपनी मनोरम चट्टानों और शांत पहाड़ी श्रंखलाओं के लिए जाना जाता है। बगीचा विकासखंड में खुडिया रानी गुफा ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व का स्थान है। जशपुर पहुंचने के लिए सड़क मार्ग से सीधे पहुंच सकते हैं। निकट का रेल्वे स्टेशन रांची झारखंड और झारसुगुड़ा उड़ीसा है। इसके साथ ही रांची झारखंड बीरसा मुंडा एयरपोर्ट तक हवाई मार्ग से आ सकते हैं और झारसुगुड़ा उड़ीसा तक ट्रेन और हवाई मार्ग से आया जा सकता है। तत्पश्चात रांची झारखंड राज्य से लगभग 3 घंटे की दूरी में जशपुर सड़क मार्ग से पहुंच सकते हैं। उड़ीसा राज्य में झारसुगुड़ा तक ट्रेन में सफर करके जशपुर सड़क मार्ग से लगभग 3 घंटे में जशपुर पहुंच सकते हैं। इसी प्रकार रायगढ़, सरगुजा, बिलासपुर से भी सड़क मार्ग से जशपुर आसानी से पहुंच सकते हैं। जशपुर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 5 होमस्टे स्थापित किए हैं तथा स्थानीय ग्रामीणों को होमस्टे प्रबंधन एवं अतिथि सेवा का समुचित प्रशिक्षण प्रदान किया है। जिला प्रशासन ने केरे गांव को एक भरोसेमंद और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इन्फ्लुएंसर मीट से छत्तीसगढ़ पर्यटन को मिलेगी वैश्विक पहचान

डिजिटल मंचों पर गूंजेंगी प्रदेश की खूबसूरती, पाँच दिवसीय फेम टूर में मैनपाट, सतरेंगा और रामगढ़ महोत्सव का लिया अनुभव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। डिजिटल माध्यमों के जरिए छत्तीसगढ़ पर्यटन को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड द्वारा 26 से 30 जून तक पाँच दिवसीय ₹इन्फ्लुएंसर मीट एवं फेमिलराइजेशन (फेम) टूर₹ का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल के तहत राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित प्रमुख सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है, ताकि उनके माध्यम से प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार देश और दुनिया तक पहुंच सके। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन मैनपाट, प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण सतरेंगा तथा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के रामगढ़ महोत्सव का भ्रमण कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान इन्फ्लुएंसर्स प्राकृतिक छटा, जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक लोककलाओं, पर्यटन सुविधाओं और सांस्कृतिक आयोजनों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही वे विभिन्न डिजिटल मंचों के लिए आकर्षक फोटो, वीडियो और रचनात्मक सामग्री तैयार कर रहे हैं, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की विशेषताएं लाखों दर्शकों तक पहुंचेंगी। मैनपाट अपनी मनोहारी वादियों, तिब्बती संस्कृति, झरनों और प्राकृतिक आकर्षणों के कारण प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में विशेष स्थान रखता है।

जनपद में स्थानान्तरण बना दिखावा, नहीं रिलीव हो रहे स्थानान्तरित पुलिसकर्मी

बस्ती। जनपद में तैनात पुलिसकर्मियों के स्थानान्तरण के बाबजूद रिलीव न किए जाने से जिम्मेदारों के ऊपर उँगलियाँ उठना शुरू हो गयी हैं और इस बात को लेकर जनपद में पुलिस की कार्यप्रणाली पर प्रश्न उठना भी शुरू हो गया है। पुलिस अधीक्षक बस्ती ने विगत 8 मई 2026 को विशेष ड्युटी का हवाला देते हुए थानों पर तैनात कुछ पुलिस कर्मियों का स्थानान्तरण पुलिस लाइन बस्ती - हेतु किया था जिसमें से कुछ पुलिस कर्मी थानों से रिलीव हो गए हैं और कुछ अभी थानों पर ही जमें हुए हैं ।

हेलमेट नहीं पहनने वालों पर अब समझाइश नहीं, होगी सख्त कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों में सुरक्षित यातायात की आदत विकसित करने के उद्देश्य से जशपुर पुलिस ने जिलेभर में विशेष सड़क सुरक्षा जनजागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चलाने वालों को रोककर यातायात नियमों की जानकारी दी गई, सड़क सुरक्षा पर आधारित फिल्म दिखाई गई और ₹सड़क सुरक्षा के सात वचन₹ की शपथ दिलाई गई। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल जागरूकता पर जोर है, लेकिन जल्द ही नियम तोड़ने वालों के खिलाफ विशेष चालानी अभियान चलाकर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने तथा प्रत्येक नागरिक में सुरक्षित यातायात की संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से जशपुर जिले के पुलिस कप्तान डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के नेतृत्व में जशपुर पुलिस द्वारा हेलमेट एवं सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशन में आज जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान बिना हेलमेट एवं बिना सीट-बेल्ट वाहन चलाते पाए गए चालकों को रोककर उन्हें यातायात नियमों की जानकारी दी गई। इसके बाद सभी वाहन चालकों को लगभग एक घंटे तक सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों पर आधारित जागरूकता फिल्म दिखाई गई, जिसमें हेलमेट नहीं पहनने, तेज रफ्तार, नशे में वाहन चलाने तथा लापरवाही से वाहन चलाने के गंभीर परिणामों को दशार्या गया। इसके उपरांत सभी वाहन चालकों को ₹सड़क सुरक्षा के सात वचन₹ की शपथ दिलाई गई, जिसमें हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, नशे में वाहन नहीं चलाने, तेज गति से बचने, मोबाइल का उपयोग करते हुए वाहन नहीं चलाने तथा सभी यातायात नियमों का पालन करने का संकल्प लिया गया। उल्लेखनीय है कि जशपुर पुलिस के द्वारा पिछले कई दिनों से जन-चौपाल, बाइक रैली, वीडियो संदेश, विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को सुरक्षित यातायात के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य चालान काटना नहीं, बल्कि लोगों का जीवन बचाना है। डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि अभी पुलिस केवल समझाइश देकर लोगों को जागरूक कर रही है, लेकिन कुछ ही दिनों में बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध जिले भर में विशेष अभियान चलाकर सख्त चालानी एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की आमजन से अपील

पुलिस सभी नागरिकों से आग्रह करती है कि वे स्वयं की एवं अपने परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा आईएसआई मानक का हेलमेट पहनें, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएँ तथा निर्धारित गति सीमा का पालन करें। याद रखें... चालान का पैसा दोबारा कमाया जा सकता है, लेकिन दुर्घटना में खोया हुआ जीवन कभी वापस नहीं आता। हेलमेट आपकी पहचान नहीं, आपकी सुरक्षा है।

29 जून को जिले में 92.7 मिमी औसत वर्षा

जशपुरनगर। जिले में 01 जून से 29 जून तक 744.4 मिमी औसत वर्षा हो चुकी है। जिले में बीते 10 वर्षों की तुलना में 29 जून तक सामान्य औसत वर्षा 1625.9 मिमी हुई है। बीते दिवस जिले में 92.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से अब तक तहसीलवार वर्षा इस प्रकार है तहसील जशपुर में 77.4 मिमी, मनोरा में 125.2 मिमी, कुनकुरी में 98.2 मिमी, दुलदुला में 55.7 मिमी, फरसाबहार में 38.6 मिमी, बगीचा में 30.0 मिमी, कांसाबेल में 75.5 मिमी, पत्थलगांव में 71.4 मिमी, सन्ना में 131.4 मिमी एवं बागबहार में 41.0 मिमी वर्षा हो चुकी है।

फ्री में कराएं ई-केवाईसी, पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए आधार सत्यापन अनिवार्य

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के हितों की सुरक्षा, पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से आधार आधारित ई-केवाईसी प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इसके तहत सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के पंजीयन अभिलेखों का आधार कार्ड में दर्ज जानकारी से मिलान कर आवश्यक संशोधन एवं अद्यतन किए जाएंगे। यह विशेष अभियान 30 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। श्रम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को अपने मूल आधार कार्ड के साथ निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में उपस्थित होना होगा। वहां सीएससी संचालक (वीएलई ऑपरेटर) द्वारा श्रमिक की पहचान का सत्यापन कर पोर्टल के 'रजिस्ट्रेशन अपडेशन मॉड्यूल' के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सत्यापन उपरांत श्रमिकों की जानकारी आधार कार्ड में उपलब्ध प्रमाणित विवरण के अनुरूप अद्यतन की जाएगी। इस प्रक्रिया के अंतर्गत श्रमिकों के हिंदी एवं अंग्रेजी में नाम, जन्म तिथि, लिंग तथा मोबाइल नंबर सहित अन्य महत्वपूर्ण विवरणों में आवश्यक संशोधन किया जाएगा। इससे श्रमिकों का डाटाबेस अधिक सटीक एवं अद्यतन होगा तथा भविष्य में ई-केवाईसी और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ वितरण में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आएगी। संशोधन आवेदन के लिए आधार कार्ड की स्पष्ट प्रति, श्रमिक का सहमति पत्र, ई-साइन तथा मोबाइल ओटीपी प्रमाणीकरण अनिवार्य रखा गया है। लाभार्थी की वास्तविक पहचान सुनिश्चित करने के लिए आवेदन प्रक्रिया के दौरान श्रमिक की लाइव फोटो भी कैप्चर की जाएगी। आवेदन सफलतापूर्वक जमा होने के बाद प्रत्येक श्रमिक को एक विशिष्ट आवेदन क्रमांक प्रदान किया जाएगा, जिसके माध्यम से आवेदन की स्थिति की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। श्रम विभाग ने सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से निर्धारित समयावधि के भीतर अपने पंजीयन अभिलेखों का सत्यापन एवं आवश्यक संशोधन कराने की अपील की है। अधिक जानकारी एवं सहायता के लिए श्रमिक श्रम पदाधिकारी कार्यालय जशपुर, जनपद पंचायतों में संचालित श्रम संसाधन केंद्र, निकटतम चॉइस सेंटर अथवा लोक सेवा केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

विद्यार्थियों के हितों को देखते हुए समय पर उपलब्ध कराई अंकसूची

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिला शिक्षा विभाग ने बोर्ड परीक्षा की मार्कशीट हस्तलिखित संबंधी प्राप्त शिकायतों के संबंध में स्पष्टीकरण जारी किया है। जिला शिक्षा अधिकारी जशपुर ने कहा है कि विद्यार्थियों के शैक्षणिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की गई थीं। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि कक्षा 5वीं एवं 8वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित होने के बाद विद्यार्थियों के प्रवेश, अध्ययन-अध्यापन एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ प्रभावित न हों, इसके लिए विभाग द्वारा उपलब्ध डिजिटल परिणामों के आधार पर अस्थायी अंक विवरण उपलब्ध कराया गया था। यह केवल एक अंतरिम प्रशासनिक व्यवस्था थी, ताकि विद्यार्थियों को समय पर आवश्यक शैक्षणिक दस्तावेज मिल सकें। उन्होंने बताया कि तकनीकी एवं मुद्रण संबंधी कारणों से मूल अंकतालिकाओं के वितरण में कुछ विलंब हुआ था, जिसे विभाग ने गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की। इसके परिणामस्वरूप 15 जून को कक्षा 5वीं एवं 8वीं बोर्ड परीक्षा की मूल अंकसूचियाँ संबंधित विद्यालयों को उपलब्ध करा दी गईं। जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिकायतों में यह बताया गया है कि शिक्षक पढ़ाई छोड़कर केवल मार्कशीट तैयार करने में लगे रहे, जबकि वास्तविक स्थिति यह है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रथम दिवस से ही जिले के सभी विद्यालयों में नियमित रूप से अध्ययन-अध्यापन संचालित होता रहा। शिक्षकों ने विद्यार्थियों के हित में अतिरिक्त प्रशासनिक दायित्वों का भी सफलतापूर्वक निर्वहन किया। उन्होंने बताया कि जिला एवं विकासखंड स्तर पर लगातार निगरानी रखी गई तथा मूल अंकतालिकाएँ उपलब्ध होते ही उन्हें संबंधित विद्यालयों तक पहुँचाने की कार्रवाई की गई। साथ ही सभी विकासखंडों एवं विद्यालयों को निर्देशित किया गया था कि अंकसूची के अभाव में किसी भी विद्यार्थी का प्रवेश बाधित न होने पाए। आवश्यकता पड़ने पर प्रमाणित अंक विवरण भी उपलब्ध कराए गए, जिससे विद्यार्थियों के शैक्षणिक हित पूरी तरह सुरक्षित रहे।

30 जून को एफएसएसएआई शिविर में नए लाइसेंस, पंजीयन, नवीनीकरण एवं संशोधन संबंधी मिलेगी सभी सहायता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा खाद्य कारोबारियों को जागरूक करने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा 30 जून को जिला पंचायत कार्यालय के संवाद सभागार कक्ष क्रमांक 13, जिले में एफएसएसएआई खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का संचालन सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक किया जाएगा। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अभिहित अधिकारी ने जिले के सभी खाद्य कारोबारियों, व्यापारिक संगठनों एवं संस्थाओं से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में शामिल होकर इसका लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि किराना दुकान, खुदरा एवं थोक व्यापार, डिस्ट्रीब्यूटर, खाद्य विनिमार्ता, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, डेयरी, फल-सब्जी विक्रेता, मेडिकल शॉप, मटन-चिकन शॉप, राइस मिलर्स, सूक्ष्म एवं लघु खाद्य उद्योग, कैटरर्स तथा स्ट्रीट फूड वेंडर्स सहित खाद्य पदार्थों के व्यवसाय से जुड़े सभी कारोबारियों के लिए यह शिविर उपयोगी रहेगा। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 एवं विनियम, 2011 की धारा 31 (1) एवं (2) के अनुसार कोई भी व्यक्ति बिना खाद्य लाइसेंस अथवा पंजीयन के खाद्य कारोबार प्रारंभ या संचालित नहीं कर सकता। वहीं अधिनियम की धारा 63 के तहत बिना लाइसेंस खाद्य पदार्थों का निर्माण, विक्रय, भंडारण अथवा वितरण करने पर 10 लाख रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान है। इसलिए सभी खाद्य कारोबारियों के लिए नियमानुसार एफएसएसएआई लाइसेंस अथवा पंजीयन प्राप्त करना आवश्यक है। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ के निर्देश तथा कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री रोहित व्यास के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में खाद्य कारोबारियों को लाइसेंस एवं पंजीयन से संबंधित सभी प्रक्रियाओं में आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जाएगा।

शिविर में एफएसएसएआई खाद्य अनुज्ञप्ति, पंजीयन संबंधी सहायता

नए एफएसएसएआई खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन के लिए आवेदन संबंधी जानकारी एवं सहायता, जारी लाइसेंस एवं पंजीयन में नियमानुसार संशोधन, खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन का नवीनीकरण, वार्षिक 1.50 करोड़ रुपये तक के टर्नओवर वाले खाद्य कारोबारियों के लिए खाद्य पंजीयन संबंधी मार्गदर्शन एवं 1.50 करोड़ से 50 करोड़ रुपये तक के वार्षिक टर्नओवर वाले खाद्य कारोबारियों के लिए एफएसएसएआई खाद्य लाइसेंस हेतु आवेदन प्रक्रिया की जानकारी एवं सहयोग। खाद्य सुरक्षा विभाग ने जिले के सभी पात्र खाद्य कारोबारियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर शिविर में उपस्थित होकर आवश्यक लाइसेंस एवं पंजीयन संबंधी कार्य पूर्ण करें तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करें।

संत कबीर के आदर्शों पर चलकर समाज में समरसता और सेवा की भावना मजबूत होगी : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत आज राजधानी रायपुर के सोनपैरी स्थित सद्गुरु कबीर आश्रम में कबीर जयंती के अवसर पर आयोजित संत कबीर महोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गुरु असंग देव का आशीर्वाद लेकर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने आश्रम परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। गुरु असंग देव ने कहा कि संत कबीर ने समाज से पाखंड, कुरीतियों और आडंबर को समाप्त करने के लिए अवतार लिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समाज में आपसी प्रेम तथा संवाद कम होता जा रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने सेवा, परमार्थ, गौसेवा, वृक्षारोपण और ग्राम विकास को जीवन का आधार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा से ही सच्चा सुख और आत्मिक संतोष प्राप्त होता है। गुरु असंग देव ने कहा कि एक समय नक्सलवाद के कारण जिन क्षेत्रों में जाना कठिन था, वहां अब शांति स्थापित हो चुकी है और विकास की गंगा बह रही है। लाखों गरीबों के लिए आवास बन रहे हैं और प्रदेश विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि संत कबीर ने सत्य, समरसता, मानव सेवा और सद्भाव का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक है। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और आडंबर से ऊपर उठकर मानव मात्र को प्रेम, सत्य और विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज जब समाज सामाजिक विभाजन और नैतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब संत कबीर की वाणी पहले से अधिक प्रासंगिक है। राज्यपाल ने सोनपैरी कबीर आश्रम द्वारा शिक्षा, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आश्रम राष्ट्र निर्माण की चेतना को सशक्त बनाते हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ संत कबीर की तपोभूमि और उनके अनुयायियों की पावन धरती है। उन्होंने कहा कि उनका बचपन कबीरपंथी समाज के बीच बीता है और संत कबीर की वाणी का उनके जीवन पर गहरा प्रभाव रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि संत कबीर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज में फैली कुरीतियों, छुआछूत, जाति-पांति और आडंबर के विरुद्ध जनजागरण में समर्पित किया। उन्होंने निर्भीक होकर सत्य का साथ दिया और अपने सरल किंतु प्रभावशाली विचारों से समाज को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज भी उनकी शिक्षाएं समाज में प्रेम, भाईचारे और समरसता की प्रेरणा देती हैं।

बीट प्रणाली को मजबूत और प्रभावी बनाने हुई कार्यशाला

0 तय की गई बीट प्रभारियों की जिम्मेदारी 0 एसएसपी बोले- जनता के साथ पेशेवर एवं गरिमापूर्ण व्यवहार किया जाए सुनिश्चित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के थाना-चौकी के बीट प्रणाली को मजबूत और अधिक प्रभावी बनाने के लिए शनिवार को कार्यशाला का आयोजन यहां जिला पंचायत सभाकक्ष में किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य बुनियादी पुलिसिंग को सुदृढ़ करना और जनता के बीच सुरक्षा की भावना बढ़ाना था। आयोजन में जिलेभर के पुलिस अधिकारी व बीट प्रभारी मौजूद रहे। जिले के 22 थाना-चौकी क्षेत्रों के कुल 558 ग्रामों के लिए 70 बीट बनाई हैं। डीआईजी व एसएसपी ने बीट प्रणाली को प्रभावी रूप से क्रियान्वयन कराये जाने के सम्बन्ध में पुलिस रेगुलेशन के पैरा के अनुसार कानून व्यवस्था एवं अपराध पर नियंत्रण के लिए पुलिस हल्कों एवं बीट व्यवस्था में दिये गये निर्देशों को विस्तार से बताया। इस अवसर पर डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि बीट प्रणाली पुलिस व्यवस्था का सबसे जमीनी और महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बीट क्षेत्र के लिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे किसी भी सूचना, सावधानी की जानकारी को प्रत्येक बीट के नागरिक को अवगत कराया जा सके इसके लिए बीट प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाई जाए, बीट क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर आम नागरिकों के साथ निरंतर संवाद स्थापित करें, जमीनी स्तर पर असामाजिक तत्वों और संदिग्ध

गतिविधियों की निगरानी करते हुए सटीक जानकारी हासिल करते हुए फौरन एक्शन ले। क्षेत्र में होने वाले अपराधों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाए ताकि पुलिस-जनता के बीच आपसी विश्वास और मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा, बुजुर्गो की मदद और युवाओं को जागरूक करना भी बीट प्रणाली का हिस्सा है इसे मजबूती से की जाए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, सीएसपी बेनार्ड कुजूर, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, डीएसपी अजाक रीना नीलम कुजूर, डीएसपी अनूप एक्का, जिले थाना-चौकी प्रभारी सहित सभी बीट प्रभारी मौजूद रहे।

मोबाईल नंबर के पोस्टर गांवों और वार्डों में लगाने के निर्देश

एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों व बीट प्रभारियों को निर्देशित किया कि आम जनता की सुविधा के लिए बीट अधिकारियों के नाम और मोबाइल नंबर के पोस्टर गांवों और वार्डों में लगाए ताकि आमजनता अपनी समस्या, शिकायतों को फौरन पुलिस के संज्ञान में ला सके और उसका समाधान करा सके। उन्होंने विशेष तौर पर कहा कि जनता की शिकायतों को नम्रतापूर्वक सुनना और उनके साथ पेशेवर एवं गरिमापूर्ण व्यवहार सुनिश्चित की जाए। बीट क्षेत्र के प्रत्येक गतिविधियों, अपराधों की रोकथाम और सुरक्षा व जागरूकता के लिए नागरिकों को जागरूक करने की जिम्मेदारी तय की गई है। बीट क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों, वारंटियों और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त अपराधियों की सूची अपडेट रखें और उनकी दैनिक हरकतों पर कड़ी नजर रखें। बीट प्रभारी व अधिनस्थ कर्मी बीट में कब भ्रमण पर गए, क्या देखा, किससे मिला और क्या कार्यवाही की उसकी रिपोटिंग प्रत्येक दिवस थाना प्रभारी को करने होगी और उसका रिकार्ड संधारण बीट बुक में संधारित करना होगा जिसका प्रत्येक माह संबंधित एसडीओपी बीट बुक को चेक करेंगे।

महिला सुरक्षा पर फोकस

महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों के पास विशेष निगरानी रखने, ग्राम पंचायतों, आंगनबाड़ी, हाट-बाजारों तथा महिला समूह के आयोजनों के दौरान महिलाओं को उनकी सुरक्षा से जुड़े पहलुओं, कानूनी जानकारियों से अवगत कराने के निर्देश दिए गए।

रसौकी स्कूल में लगा सोलर पावर प्लांट एक साल से बंद, अंधेरे में पढ़ने को मजबूर छात्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले के विकासखंड ओड़गी के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रसोकी स्थित शासकीय विद्यालय में लाखों रुपये की लागत से स्थापित सोलर पावर प्लांट पिछले लगभग एक वर्ष से बंद पड़ा हुआ है। रखरखाव के अभाव में पूरी विद्युत व्यवस्था ठप होने से विद्यालय के छात्र-छात्राओं को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये की योजनाओं के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर लाखों रुपये की सरकारी संपत्ति भी समय पर मरम्मत नहीं होने से बेकार साबित हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में आज भी नियमित विद्युत आपूर्ति उपलब्ध नहीं है। ऐसे में विद्यालय में स्थापित सोलर पावर प्लांट ही बिजली का एकमात्र भरोसा था। इसके बंद होने से विद्यालय में लाइट, पंखे एवं अन्य विद्युत उपकरण पूरी तरह निष्क्रिय पड़े हैं। गर्मी और उमस के बीच विद्यार्थियों को बिना बिजली के पढ़ाई करनी पड़ रही है, जिससे शिक्षण व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि सोलर पावर प्लांट खराब होने की जानकारी कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को दी गई, लेकिन आज तक किसी

अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण तक नहीं किया। न ही प्लांट की मरम्मत कराई गई। इससे स्पष्ट है कि सरकारी योजनाओं के रखरखाव को लेकर विभागीय स्तर पर गंभीरता का अभाव है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मरम्मत के आभाव में विद्यालय परिसर में स्थापित सोलर प्लांट अब शोपीस बनकर रह गया है। यदि शीघ्र सुधार कार्य नहीं कराया गया तो भविष्य में पूरी यूनिट अनुपयोगी हो सकती है, जिससे शासन के लाखों रुपये व्यर्थ चले जाएंगे। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर एवं संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि उक्त सोलर पावर प्लांट की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा दोषी अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि बच्चों की पढ़ाई और विद्यालय की सुविधाओं से जुड़ा यह मामला अत्यंत गंभीर है और इसमें शीघ्र कार्रवाई की जानी चाहिए।

पल्स पोलियो अभियान : घर-घर पहुंचे जिला टीकाकरण अधिकारी बच्चों को पिलाई दो बूंद जिंदगी की

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला टीकाकरण अधिकारी ने स्वयं स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ क्षेत्र का भ्रमण कर घर-घर जाकर 05 वर्ष से कम आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। इस दौरान उन्होंने टीमों के कार्यों का निरीक्षण किया तथा अभियान की प्रगति का जायजा लिया। जिला टीकाकरण अधिकारी ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 05 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि हर बच्चे तक पोलियो की दवा पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पोलियो मुक्त

भारत के लक्ष्य को बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे को हर बार पोलियो की खुराक दिलाना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने घरों पर टीमों द्वारा किए जा रहे चिन्हांकन का भी अवलोकन किया तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने घर-घर पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के साथ-साथ अभिभावकों को नियमित टीकाकरण एवं पोलियो उन्मूलन के प्रति जागरूक भी किया। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी कारणवश कोई बच्चा पोलियो की खुराक लेने से वंचित रह गया हो, तो निकटतम स्वास्थ्य कार्यकर्ता से संपर्क कर उसे अवश्य पोलियो की दवा पिलाएं।

कला केंद्र व स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

स्वच्छता, जल निकासी एवं ओपन थिएटर निर्माण की संभावनाओं का लिया जायजा, दिए आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिला मुख्यालय स्थित कला केंद्र, आयुष चिकित्सालय सह पंचकर्म स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कला केंद्र में संचालित गतिविधियों की जानकारी लेते हुए रिकॉर्डिंग रूम, ग्रीन रूम सहित विभिन्न कक्षों का अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र के संचालक से बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे प्रशिक्षण, विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों एवं शुल्क संबंधी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कला केंद्र के संचालन को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए। कला केंद्र परिसर के आसपास गंदगी पाए जाने पर कलेक्टर ने नगर पालिका अमले को तत्काल साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में नियमित स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है, ताकि गंदगी तालाब तक न पहुंचे और पर्यावरण स्वच्छ बना रहे।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कला केंद्र से लगी खाली भूमि पर भविष्य में ओपन थिएटर निर्माण की संभावनाओं पर भी अधिकारियों के साथ चर्चा की। साथ ही कला केंद्र के संरक्षण, संवर्धन एवं समुचित रखरखाव के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात कलेक्टर श्रीमती जमील ने सुभाष चौक स्थित आयुष चिकित्सालय व पंचकर्म स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर की स्वच्छता, जल निकासी व्यवस्था तथा वर्षा के दौरान जलभराव की संभावनाओं का जायजा लेते हुए नगर पालिका के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।निरीक्षण के दौरान उन्होंने सियान गुड़ी के लिए भवन चयन के संबंध में भी स्थल का अवलोकन कर आवश्यक चर्चा की।

खोहिर के आश्रित ग्रामों में पोलियो की दवा पिलाने में लापरवाही, कांग्रेस का आरोप

48 घंटे में विशेष कैंप लगाने की मांग, सीएचएमओ कार्यालय घेरने की चेतावनी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सूरजपुर जिले के ओड़गी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत खोहिर के आश्रित ग्राम लुल्ह, भुण्डा, तिलाईपाठ एवं बैजनपाठ में रविवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने पल्स पोलियो अभियान की स्थिति का जायजा लिया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष लवकेश गुर्जर के नेतृत्व में पहुंची टीम ने ग्रामीणों से चर्चा कर अभियान की जानकारी ली।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बस्तियों में समय पर स्वास्थ्य विभाग की टीम नहीं पहुंची, जिसके कारण अनेक बच्चे पोलियो की खुराक से वंचित रह गए। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए प्रत्येक बच्चे तक समय पर दवा पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने

आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से 48 घंटे के भीतर विशेष पोलियो कैंप लगाकर शत-प्रतिशत बच्चों को दवा पिलाने की मांग की। जिला कांग्रेस सचिव जितेंद्र साकेत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत पोलियो उन्मूलन सरकार की प्राथमिकता है, लेकिन जमीनी स्तर पर अभियान प्रभावी ढंग से संचालित नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि बैजनपाठ और तिलाईपाठ जैसे दूरस्थ गांवों में यदि तीन दिनों के भीतर विशेष कैंप लगाकर छूटे हुए बच्चों को दवा नहीं पिलाई गई तो जिला कांग्रेस कमेटी सीएचएमओ कार्यालय का घेराव करेगी। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

दौरे में विजय राक्सेल सहित कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य विभाग से तत्काल विशेष शिविर आयोजित कर छूटे हुए सभी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने तथा भविष्य में दूरस्थ ग्रामों में समयबद्ध टीकाकरण सुनिश्चित करने की मांग की।

अ.भा अग्रवाल सम्मेलन के प्रांतीय समारोह में हुआ प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश का सम्मान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन छ.ग. की प्रांतीय कार्यकारिणी के सफल कार्यकाल के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गौरीशंकर अग्रवाल पूर्व विधान सभा अध्यक्ष तथा अध्यक्षता किशन अग्रवाल प्रांतीय अध्यक्ष अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन ने की। कार्यक्रम की विशिष्ठ अतिथि महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती वंदना टिबरेवाल सहित मंचासीन अतिथियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश गर्ग सूरजपुर को संगठन में उनके योगदान एवं सक्रिय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद मुकेश गर्ग ने संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष, मुख्य अतिथि, सभी वरिष्ठजनों, पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता के समर्पण, परिश्रम और सेवा भावना का सम्मान है। उन्होंने आयोजन समिति के उत्कृष्ट प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि सम्मान

समारोह संगठन के कार्यकर्ताओं के लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा का स्त्रोत बनेगा और कार्यकारिणी के सफल कार्यकाल के बाद पदाधिकारियों का सम्मान कार्यक्रम करना अपने आप में एक नई शुरुआत है। श्री गर्ग ने सभी से आह्वान किया कि संगठन की रीति-नीति तथा नव-निर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष रामवतार अग्रवाल के नेतृत्व में एकजुट होकर समाज सेवा, राष्ट्रहित एवं संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करें।

कार्यक्रम का समापन आपसी सौहार्द, संगठनात्मक एकता एवं समाज के प्रति सेवा के संकल्प के साथ हुआ। समारोह में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर प्रदेश के सभी जिलों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

52परी के साथ इश्क लड़ा रहे 2 धराए, 51 हजार नगद समेत 2 बाइक व मोबाइल जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्थानीय पुलिस टीम ने जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम नयनपुर में दबिश देकर बावनपरी के साथ इश्क लड़ा रहे 2 जुआरियों को पकड़ा है जबकि अन्य मौके से भाग निकले है। इस कार्रवाई में पुलिस टीम ने 51335 रुपये नगद सहित दो बाईक व एक मोबाइल जप्त कर आरोपियों के खिलाफ जुंआ एक्ट की कार्रवाई की है।

उक्त कार्रवाई एसएसपी प्रशांत ठाकुर के निर्देश पर अवैध जुंआ एवं सट्टा गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई है। बताया गया है कि जिला मुख्यालय से लगे ग्राम नयनपुर बासबाड़ी क्षेत्र में दिनदहाड़े संचालित जुआ फड़ की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना पर तत्काल सक्रिय हुई पुलिस द्वारा सम्बंधित स्थान पर दबिश दी गई। पुलिस टीम के पहुंचने की भनक लगते ही फड़ में पत्ते फेंट

नयनपुर में दिनदहाड़े आजमा रहे थे हाथ

रहे जुआरियो में अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गई और कई जुआरी भागने में सफल रहे। इस बीच पुलिस टीम की घेरा बंदी में दो जुआरी फंस गए जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया है और फरार आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। पकड़े गए जुआरियों में देवराम राजवाड़े गिरवरगंज एवं हितेश कुमार साहू जयनगर शामिल है। जिनके पास से 51335 रुपये नगद सहित तास की गड्डी, होंडा शाइन बाइक क्र. सी जी 15-सी जे 2165 व बजाज प्लेटिना क्र.सीजी-29 ए 2608 एवं एक मोबाइल भी जप्त किया गया है। जिसकी कीमत करीब 1,08,335 बताई गई है। पकड़े गए आरोपी मुचलके पर रिहा कर दिए गए है। पुलिस ने लोगो से आग्रह किया है कि अवैध जुआ, सट्टा, शराब तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों की जानकारी तत्काल निकटतम थाना या पुलिस चौकी को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

रामगढ़ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने निरंतर प्रयासरत सरकार

आषाढ़ के प्रथम दिवस दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 का पर्यटन मंत्री ने किया शुभारंभ

समापन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे मुख्य अतिथि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आषाढ़ मास के प्रथम दिवस सरगुजा अंचल की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत के प्रतीक, दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 का शुभारंभ सोमवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया। पारंपरिक गरिमा, सांस्कृतिक उल्लास और ऐतिहासिक चेतना से ओतप्रोत इस आयोजन में लोक संस्कृति, साहित्य, पुरातत्व और पर्यटन का अद्भुत समागम देखने को मिला। महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर स्कूली बच्चों एवं स्थानीय कलाकारों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से शमां बांध दिया, वहीं नई दिल्ली से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भव्य रामलीला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर सांसद चिंतामणि महाराज, लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज, जिला एवं जनपद पंचायत के जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, इतिहासकार, प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि रामगढ़ महोत्सव प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, इतिहास, पुरातत्व, साहित्य और पर्यटन का अद्भुत संगम है, जो आने वाली पीढ़ियों को अपनी गौरवशाली विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। उन्होंने रामगढ़ महोत्सव के 50 वर्ष पूर्ण होने पर सभी को बधाई, शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, रामगढ़ केवल सरगुजा ही नहीं, बल्कि पूरे देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र है। राज्य सरकार इसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। महोत्सव के दौरान आगंतुकों को विश्व की प्राचीनतम रंगशाला के रूप में प्रसिद्ध सीताबेंगरा गुफा, ऐतिहासिक जोगीमारा गुफा, रामगढ़ पर्वत श्रृंखला तथा अन्य महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इतिहास एवं पुरातत्व विशेषज्ञ इन स्थलों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक महत्व की विस्तृत जानकारी भी प्रदान करेंगे, जिससे नई पीढ़ी अपनी ऐतिहासिक विरासत को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। उन्होंने कहा कि रामगढ़ महोत्सव क्षेत्रीय पर्यटन को नई दिशा देने के साथ-साथ सरगुजा की ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने बताया महोत्सव के समापन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अध्यक्ष राम किशुन सिंह, पूर्व सांसद कमलभान सिंह मरावी, जिला पंचायत सदस्य राधा रवि एवं रायमुनिया कुरियम, जनपद पंचायत अध्यक्ष आलोक सिंह, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह, पार्षद आलोक दुबे, एल्डरमैन करता राम गुप्ता, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, साहित्यकार, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

रामगढ़ को दिलाएंगे विश्वस्तरीय पहचान-सांसद

सांसद चिंतामणि महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि रामगढ़ भारत की प्राचीन सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र है। मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल का समय यहां व्यतीत किया था। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास ने भी यहीं मेघदूतम् की रचना की थी। सीताबेंगरा, जोगीमारा, राम-जानकी मंदिर तथा हाथी पोल जैसे ऐतिहासिक स्थल विश्व पर्यटन के मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने की क्षमता रखते हैं। सभी के सामूहिक प्रयासों से रामगढ़ को विश्वस्तरीय पहचान दिलाई जाएगी।

पर्यटन की हैं अपार संभावनाएं-प्रबोध मिंज

लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि रामगढ़ केवल धार्मिक आस्था का केंद्र ही नहीं, बल्कि ऐतिहासिक एवं साहित्यिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। यहां की सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटन की अपार संभावनाओं से परिपूर्ण है। उन्होंने इस धरोहर को वैश्विक स्तर पर प्रचारित एवं संरक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

विश्व स्तर पर होगी रामगढ़ की पहचानः कलेक्टर

कलेक्टर अजीत वसंत ने कहा कि, रामगढ़ महोत्सव सरगुजा की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर नई पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण मंच है। इस आयोजन में स्थानीय कलाकारों, लोक संस्कृति और पारंपरिक कला को विशेष स्थान दिया गया है, जिससे स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रामगढ़ की ऐतिहासिक पहचान भविष्य में विश्व स्तर पर और अधिक सशक्त होगी तथा अधिकाधिक पर्यटक इस धरोहर से जुड़ेंगे। उन्होंने सभी आगंतुकों से महोत्सव के विभिन्न आयोजनों में सहभागिता कर सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत का आनंद लेने का आग्रह किया।

रामलीला, कवि सम्मेलन और 'जटायु मोक्ष' की प्रस्तुति ने बांधा शमां

दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 के प्रथम दिवस विविध सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। नई दिल्ली के ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भव्य रामलीला, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय उदयपुर की छात्राओं द्वारा 'जटायु मोक्ष' की भावपूर्ण नृत्य-नाटिका तथा कवि सम्मेलन कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण रहे। नई दिल्ली से आए ख्याति प्राप्त कलाकारों ने भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का अत्यंत प्रभावशाली मंचन कर दर्शकों को त्रेतायुग की अनुभूति कराई। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, धर्म, सत्य, त्याग एवं कर्तव्यपरायणता को सशक्त अभिनय, प्रभावी संवाद, आकर्षक वेशभूषा, भव्य मंच सज्जा और मधुर संगीत के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति के दौरान पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और दर्शक कलाकारों के अभिनय से अभिभूत नजर आए।
कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, उदयपुर की बालिकाओं ने 'जटायु मोक्ष' पर आधारित मनमोहक नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया। भगवान श्रीराम और जटायु के प्रसंग को बालिकाओं ने अत्यंत संवेदनशील एवं प्रभावशाली अभिनय तथा नृत्य के माध्यम से साकार किया। भावपूर्ण अभिव्यक्ति, उत्कृष्ट मंच संचालन, पारंपरिक वेशभूषा और सुमधुर संगीत के समन्वय ने प्रस्तुति को अत्यंत जीवंत बना दिया। बालिकाओं की इस प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों की आंखें नम कर दीं और पूरा सभागार देर तक तालियों से गूंजता रहा।

कवियों की दमदार प्रस्तुति पर खूब बजी तालियां

महोत्सव में कवियों ने अपनी ओज, वीर, श्रृंगार, हास्य-व्यंग्य एवं समसामयिक विषयों पर आधारित रचनाओं का प्रभावशाली पाठ किया। राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति, सामाजिक सरोकारों और मानवीय मूल्यों पर आधारित कविताओं ने श्रोताओं को गहराई से प्रभावित किया। हास्य-व्यंग्य की रचनाओं ने पूरे वातावरण को आनंदमय बना दिया। कवियों की दमदार प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। इसके अतिरिक्त लोकगीत, सरगुजिहा लोकनृत्य, करमा नृत्य, स्वागत गीत एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी महोत्सव को भव्यता प्रदान की।

'मन की बात' बना जनसंवाद और जनप्रेरणा का सशक्त मंच

पर्यटन मंत्री ने प्रधानमंत्री के विचारों को बताया-राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की सहभागिता रही। सभी ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी की भावना को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों से प्रधानमंत्री का आत्मीय संवाद है। यह कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच, जनभागीदारी, सामाजिक उत्तरदायित्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण की भावना को निरंतर सशक्त करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री समय-समय पर देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे प्रेरणादायी प्रयासों, नवाचारों, जनसेवा के उत्कृष्ट कार्यों तथा सामान्य नागरिकों की असाधारण उपलब्धियों को सामने लाकर पूरे देश को प्रेरित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरणादायी विचार प्रत्येक नागरिक को समाजहित और राष्ट्रहित में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं। 'मन की बात' के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, युवा नवाचार, आत्मनिर्भर भारत, स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन तथा जनकल्याण से जुड़े अनेक विषयों पर सकारात्मक संदेश पूरे देश तक पहुंचते हैं। इससे समाज में जागरूकता बढ़ती है और आमजन विकास यात्रा के सहभागी बनते हैं।
उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। प्रधानमंत्री का यह संवाद समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रेरणा देने के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध को भी मजबूत करता है। कार्यक्रम के समापन पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन देश के विकास, सामाजिक समरसता, जनकल्याण तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज और राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में लगातार छुट्टियों के बीच उमड़े मरीज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शुक्रवार से लगातार छुट्टियों के बीच शहर के मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में सोमवार को आपातकालीन चिकित्सा परिसर में मरीजों की भारी भीड़ देखने को मिली। चिकित्सक का कक्ष भी मरीजों से ठसाठस भरा था।
कबीर जयंती की छुट्टी होने के बाद भी ओपीडी खुलते ही मरीज और उनके स्वजन की लंबी कतारें लग गईं। दोपहर 12 बजे ओपीडी बंद होने के बाद आपातकालीन चिकित्सा परिसर बाहर से अंदर तक मरीजों से भरा था। कोई काउंटर में लाइन में लगा था, तो कोई चिकित्सक को दिखाने के लिये अपनी पारी आने का इंतजार कर रहा था। अस्पताल परिसर में संजीवनी 108 एम्बुलेंस से मरीजों को पॉयलट और ईएमटी लेकर पहुंच रहे थे। दूर-दराज के गांवों से आए मरीजों के साथ आये स्वजन भीषण गर्मी और उमस के कारण बेचैन होते अंदर-बाहर हो रहे थे। डॉक्टरों का कहना है कि छुट्टियों के बाद कमोबेश यही स्थिति बनती है। दौरान जिन मरीजों का इलाज नहीं हो पाया, वे सभी एक साथ अस्पताल पहुंचे हैं। सोमवार को अवकाश से अनभिज्ञ रहने के कारण 12 बजे के बाद अस्पताल पहुंचे मरीजों दो घंटे की ओपीडी के बाद आपातकालीन चिकित्सा परिसर में इलाज के लिये मरीज पहुंच रहे थे। हालांकि, यहां ऐसे मरीजों को प्राथमिकता दिया जाना है, जिनकी स्थिति गंभीर हो, लेकिन सामान्य बीमारी से पीड़ित भी पहुंच जाते हैं।

कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम स्थगित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम अपरिहार्य कारणों से आज मंगलवार, 30 जून को स्थगित कर दिया गया है। अपर कलेक्टर सुनील नायक ने बताया कि कलेक्टर जनदर्शन आगामी समय में पूर्व निर्धारित दिन में ही मंगलवार को आयोजित किए जायेंगे।

सहकारिता सप्ताह का शुभारंभ, किसानों के लिये होंगे विविध आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, अंबिकापुर मुख्यालय परिसर में सोमवार को सहकारिता सप्ताह का शुभारंभ बैंक के अध्यक्ष राम किशुन सिंह ने सहकारी ध्वज का ध्वजारोहण करके किया। भारत सरकार के निर्देशानुसार 29 जून से 6 जुलाई तक आयोजित होने वाले सहकारिता सप्ताह के दौरान जिलेभर में किसानों को आधुनिक तकनीक एवं सहकारिता से जोड़ने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीकान्त चन्द्राकर ने उपविधि का वाचन किया। इस अवसर पर उप पंजीयक एवं उप आयुक्त एस.के. पैकरा, विपणन

अधिकारी बी.के.पी. सिंह, लेखापाल आनंद सिंह, फील्ड अधिकारी राजेश सिंह, सरगुजा नोडल कमलनयन पाण्डेय सहित बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत जिले की प्रत्येक पैक्स में ध्वजारोहण एवं उपविधि का वाचन किया गया। सप्ताहभर वृक्षारोपण, सहकारिता विकास विषयक गोष्ठियां, व्याख्यानमाला, सहकार संकल्प दौड़, मृदा स्वास्थ्य परीक्षण तथा सहकारिता जागरूकता अभियान जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के लिए ड्रोन के माध्यम से तरल उर्वरक के छिड़काव का प्रदर्शन, माइक्रो एटीएम के उपयोग की जानकारी, नए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) एवं रूपे कार्ड का वितरण भी किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य किसानों को तकनीक, डिजिटल बैंकिंग और सहकारिता की योजनाओं से जोड़कर उन्हें अधिक सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर